राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 | वर्ष: 11 | अंक: 192 | पृष्ट : 08, | नई दिल्ली, रविवार , 23 जनवरी 2022 | मूल्य: 1.50/-

पहली बार कैराना पहुंचे गृहमंत्री शाह

हिंदुओं के पलायन वाले इलाकों में अमित शाह ने घर-घर जाकर प्रचार किया

कैराना। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शनिवार को कैराना पहुंचे। उन्होंने यहां पलायन वाले क्षेत्रों में घर-घर जाकर लोगों से बातचीत की। उनसे पूछा कि अब उन्हें कोई तकलीफ तो नहीं है? गृह मंत्री बनने के बाद शाह का यह पहला कैराना दौरा है।

शाह ने संकरी गलियों में घर-घर पहुंचकर लोगों को पर्चा दिया। उनके साथ अनेक मुस्लिम कार्यकर्ता भी नजर आए। कई कार्यकर्ताओं ने शाह के साथ सेल्फी भी ली।

शाह बोले- पहले लोग पलायन करते थे, अब आत्मविश्वास से भरे हुए हैं

अमित शाह ने कैराना में मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि प्रदेश में विकास की नई लहर दिखाई दे रही है। गरीब के घर में गैस, बिजली, आयुष्मान भारत योजना का कार्ड, हर व्यक्ति को कोरोना का टीका ये सारी योजनाएं अच्छे से लागू की गई हैं। यही कैराना है जहां पहले लोग पलायन करते थे। आज लोग कह रहे हैं कि पलायन करने वाले पलायन कर गए। यानी अब उन्हें कोई भय नहीं है। वे आत्मविश्वास से भरे हैं। शाह ने कहा कि एक जाति के लिए काम करने वाली सरकारों की प्रथा बंद करना है।

जबरन धर्म परिवर्तन के बाद नाबालिग ने दी थी जान

अदालत ने माता-पिता को दिया अंतिम संस्कार करने का निर्देश

मद्रास । मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै पीठ ने कथित तौर पर जबरन धर्म परिवर्तन करवाने के बाद आत्महत्या करने वाली 12वीं कक्षा की छात्रा के माता-पिता को निर्देश दिया कि अपनी बेटी के शव को स्वीकार करें और उसका अंतिम संस्कार करें। अदालत के निर्देश का पालन करते हुए अब माता-पिता ने शव ले लिया है।

17 वर्षीय किशोरी के संबंधी इस मामले में स्कूल और हॉस्टल के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए प्रदर्शन कर रहे थे और शव को स्वीकार करने से इनकार कर रहे थे। छात्रा के पिता ने मदुरै पीठ में एक याचिका दायर की है और मामले को सीबीसीआईडी के पास स्थानांतरित करने का अनुरोध किया है।

अदालत ने थिरुकट्टुपल्ली पुलिस को जांच करने का निर्देश दिया है। याचिकाकर्ता की ओर से दोबारा की गई अपील पर न्यायाधीश जीआर स्वामीनाथन ने इसे शनिवार को जरूरी मामले की तरह लिया और कहा कि छात्रा का शव उसके माता-पिता को स्वीकार करना चाहिए और अंतिम संस्कार करना चाहिए।

न्यायाधीश ने कहा कि अपनी जान देने से पहले किशोरी ने एक वीडियो रिकॉर्ड किया था। इस वीडियो में उसने दावा किया है कि स्कूल प्रबंधन ने उसे ईसाई धर्म स्वीकार करने के लिए मजबूर किया था। अदालत ने कहा कि शव को उसके शहर तक भेजने के लिए बंदोबस्त किए जाएं और पुलिस इसमें दखल न दे। यह किशोरी तमिलनाडु के तंजावुर जिले के क्रिश्चियन मिशनरी स्कूल में पढ़ती थी।

27 मार्च से मुंबई में होगा IPL 2022

मुंबई। IPL 2022 के आयोजन को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल, टूर्नामेंट का आयोजन भारत में ही किया जाएगा और आगामी सीजन के सभी मुकाबले मुंबई में ही खेले जाएंगे।

पूरे टूर्नामेंट का आयोजन मुंबई के तीन स्टेडियम- वानखेड़े स्टेडियम, क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया और डीवाई पाटिल स्टेडियम (नवी मुंबई) में किया जाएगा। बोर्ड के सूत्रों ने बताया कि इसके बाद भी अगर जरूरत पड़ी तो कुछ मुकाबलों का आयोजन पुणे में भी किया जा सकता है। साथ ही कोरोना को ध्यान में रखते हुए इस बार भी टूर्नामेंट दर्शकों के बिना ही खेला जाएगा।

कांग्रेस ने 40 उम्मीदवारों की सूची जारी की

मणिपुर। कांग्रेस ने आगामी मणिपुर चुनाव 2022 के लिए 40 उम्मीदवारों की सूची जारी की है। पूर्व मुख्यमंत्री ओकराम इबोबी सिंह थौबल से चुनाव लड़ेंगे। राज्य की 60 सीटों पर दो चरणों में मतदान होने हैं। पहले चरण की वोटिंग 27 फरवरी को होगी। इसके लिए एक फरवरी को अधिसूचना जारी कर दी जाएगी।

नामांकन की आखिरी तारीख आठ फरवरी रखी गई है।

नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी नौ फरवरी तक होगी और नाम वापसी के लिए 11 फरवरी तक मौका दिया जाएगा।

वहीं, दूसरे फेज की वोटिंग तीन मार्च को होगी। इसके लिए चार फरवरी को अधिसूचना जारी होगी और 11 फरवरी तक उम्मीदवार नामांकन कर सकेंगे। 14 फरवरी को नामांकन की जांच होगी, जबकि 16 फरवरी तक उम्मीदवारों को नाम वापस लेने का मौका दिया गया है। पिछली बार मणिपुर में चार मार्च और आठ मार्च को चुनाव हुए थे।

IT सेक्टर में 22 लाख रोजगार देगी समाजवादी पार्टी

उत्तर प्रदेश । उत्तर प्रदेश चुनाव से पहले सभी पार्टियां अपना पूरा जोर लगाती नजर आ रही हैं। इसी कड़ी में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने लखनऊ में प्रेस कांफ्रेंस कर वहीं पुराने वादे गिनाए-बिजली, लेपटॉप और रोजगार। समाजवादी पार्टी युवाओं को रोजगार देने के लिए काम करेगी। उन्होंने 22 लाख युवाओं को रोजगार देने का वादा किया और कहा कि ये रोजगार आइटी सेक्टर से मिलेंगे। वहीं अखिलेश यादव बीजेपी पर निशाना साधते भी नजर आए.

अखिलेश ने सवाल उठाया कि भाजपा को पहले से कैसे पता था कि उन्हें चुनाव प्रचार के लिए एलईडी की जरूरत होगी. भाजपा को पहले ही सारी बातें कैसे पता चल जाती हैं?

सीएम योगी आदित्यनाथ ने संवाद-समागम कार्यक्रम में प्रबुद्ध उद्यमियों का आह्वान किया

गौतमबुधनगर। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने संवाद-समागम (एक प्रयास आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के लिए) कार्यक्रम में प्रबुद्ध उद्यमियों का आह्वान किया।

वरिष्ठ एवं प्रबुद्ध उद्यमियों, चिकित्सकों, व्यापारी भाइयों एवं औद्योगिक संगठन के पदाधिकारियों ने ऑनलाइन संवाद समागम में उत्तर प्रदेश में भय मुक्त, निवेश अनुकूल, 24 घंटे बिजली, सड़कों का जाल, आदि अनेकतर उद्यम अनुकूल कार्य पिछले 5 वर्षों में सरकार द्वारा किए जाने पर माननीय मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद प्रेषित किया।

उपरोक्त मुख्यमंत्री का कार्यक्रम सभी उद्यमियों के लिए अमूल्य रहा। प्रबुद्ध उद्यमियों ने आ रही समस्याओं से भी माननीय मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया। माननीय मुख्यमंत्री जी ने अगली सरकार में नियमित राज्य उद्यम बंधु माननीय मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में करने व भय मुक्त वातावरण एम.एस.एम.ई. के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

एम.एस.एम.ई. स्टार्टअप्स फ़ोरम के सदस्य व अन्य संगठनों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

सियाचिन-विश्व का सबसे ऊँचा युद्धक्षेत्र

इस्लामाबाद/एजेंसी। दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन में भारतीय सेना के पराक्रम को देखकर पाकिस्तान डरा हुआ है। यही कारण है कि वह सियाचिन को पूरी तरह से सैनिकों से खाली करने के प्रस्ताव पर भारत के साथ बातचीत को तैयार है। खुद पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि वह भारत के साथ संबंधों को सुधारने और सियाचिन पर बात करने के पक्ष में है। सियाचिन की भीषण ठंड और खतरनाक माहौल में भी भारतीय सेना के हजारों जवान हर समय मुस्तैदी से तैनात रहते हैं। भारतीय सेना ने साल 1984 में ऑपरेशन मेघदूत के जरिए इस इलाके पर कब्जा जमाया था।

पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने शुक्रवार को सियाचिन ग्लेशियर से सैनिकों को हटाने की संभावना को खारिज नहीं किया।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान भारत के साथ संबंध सुधारने और सार्थक, रचनात्मक, रिजल्ट देने वाले और लगातार बातचीत करने के लिए

प्रतिबद्ध है। उन्होंने दावा किया कि कई मौकों पर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान और विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने इस मामले (संवाद) पर हमारी स्थिति व्यक्त की है। लेकिन भारत ने माहौल को खराब कर दिया है। हमने बार-बार कहा है कि रचनात्मक बातचीत के लिए अनुकूल माहौल के लिए आवश्यक कदम उठाने की जिम्मेदारी भारत की है।

CM कैंडिडेट पर कांग्रेस नेता कर रहे हैं उम्मीदवार की घोषणा की मांग

पंजाब। पंजाब में आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस की राज्य इकाई में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा किए जाने की मांग लगातार बढ़ रही है और पार्टी के कई वरिष्ठ नेता अनुसूचित जाति समुदाय से संबंध रखने वाले राज्य के पहले मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को अपना समर्थन दे रहे हैं। कांग्रेस आला कमान का अभी तक यही कहना है कि पार्टी 117 सदस्यीय विधानसभा के लिए 20 फरवरी को होने वाला चुनाव ''सामूहिक नेतृत्व'' में लड़ेगी, लेकिन इसकी राज्य इकाई के कई नेताओं की मांग है कि इस

मामले पर स्थिति को शीघ्र अति शीघ्र स्पष्ट किया जाना चाहिए। वरिष्ठ नेता एवं मंत्री ब्रह्म मोहिंद्रा ने कहा कि पार्टी ने 2012 और 2017 के चुनावों से पहले मुख्यमंत्री पद के अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी थी और चन्नी ने तीन महीनों में अपनी योग्यता साबित की है। उन्होंने कहा, ''जब कोई एक व्यक्ति स्वयं को हरेक की उम्मीदों से पहले ही बेहतर साबित कर चुका है, तो ऐसे में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा को लेकर पार्टी में कोई दुविधा नहीं होनी चाहिए।''

चन्नी पिछले साल मुख्यमंत्री बने थे

पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद चन्नी पिछले साल मुख्यमंत्री बने थे। कांग्रेस की पंजाब इकाई में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा की मांग ऐसे में जोर पकड़ रही है, जब चुनाव में मजबूत दावेदार के रूप में उभर रही आम आदमी पार्टी (आप) ने अपने सांसद और प्रदेश इकाई के प्रमुख भगवंत मान को मुख्यमंत्री पद के लिए अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है।

मुंबई में बड़ा हादसा

ताड़देव इलाके की बिल्डिंग में लगी आग से 7 की मौत

मुंबई/ एजेंसी ।

महाराष्ट्र की राजधान मुंबई में के कमला बिल्डिंग में सुबह भीषण आग लग गई। इस हादसे में कम से कम 7 लोगों की मौत हुई है। दमकल विभाग ने बताया कि आग 18वीं मंजिल पर लगी थी। आग पर फिलहाल काबू कर लिया गया है। 20 मंजिला इस इमारत में आग लगने के बाद लोग बदहवास होकर नीचे भागे थे। 12 घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

दमकल विभाग ने बताया कि इस हादसे में 19 लोगों को बचाया गया था। हालांकि अस्पताल में 7 लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। 12 घायलों का भाटिया अस्पताल

में इलाज चल रहा है। जबकि चार लोगों को मुंबई के नायर अस्पताल में ले जाया गया था। नायर अस्पताल में दो लोगों की मौत हुई है, वहीं कस्तूरबा अस्पताल में एक व्यक्ति की मौत हुई है।

मदद: विश्व बैंक ने बंगाल सरकार को दिया 1000 करोड़ का कर्ज

नई दिल्ली/ एजेंसी। विश्व बैंक ने गरीब और कमजोर समूहों तक सामाजिक सुरक्षा सेवाएं पहुंचने में मदद करने के अपने प्रयास का समर्थन करने के लिए पश्चिम बंगाल सरकार को लगभग 1,000 करोड़ रुपये का ऋण दिया है। बयान में कहा गया है कि विश्व बैंक ने 19 जनवरी को पश्चिम बंगाल सरकार को गरीब और कमजोर समूहों को सामाजिक सुरक्षा सेवाएं देने में मदद करने के लिए 125 मिलियन डॉलर (लगभग 1,000 करोड़ रुपये) का ऋण मंजूर किया है।इसमें कहा गया है कि 'पश्चिम बंगाल बिल्डिंग स्टेट कैपेबिलिटी फॉर इनक्लूसिव सोशल प्रोटेक्शन'ऑपरेशन के तहत दिया गया कर्ज इस राज्य की क्षमता को मजबूत करेगा और गरीब और कमजोर समूहों के लिए सामाजिक सहायता और लक्षित सेवा तक पहुंच का विस्तार करेगा।

पश्चिम बंगाल सरकार के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि यह ऋण राज्य की क्षमता को अपने कवरेज का विस्तार करने और अपने कल्याण कार्यक्रमों के साथ हजारों गरीब लोगों तक पहुंचने की क्षमता को मजबूत करेगा। बयान में कहा गया है कि ममता बनर्जी सरकार 400 से अधिक कार्यक्रम चलाती है जो सामाजिक सहायता, सुरक्षा, देखभाल सेवाएं और रोजगार प्रदान करती है।

आजम खान ने सुप्रीम कोर्ट में लगाई जमानत की अर्जी

आजम खान ने अपनी अर्जी में सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि यूपी की कोर्ट्स में जमानत पर रिहाई के लिए तीन अलग अलग मामलों में अर्जियां लगा रखी हैं लेकिन सरकार का अभियोजन विभाग उसमे जानबूझ कर लापरवाही बरत रहा है।

लखनऊ। जेल में बंद समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान ने सुप्रीम कोर्ट में अंतरिम जमानत पर रिहाई की अर्जी लगाई है। आजम खान यूपी विधान सभा चुनाव में प्रचार करना चाहते हैं। आजम खान ने अपनी याचिका में कहा है की राज्य सरकार उनके खिलाफ दर्ज मुकदमों में अभियोजन प्रक्रिया को बिना मतलब के लटका रही है ताकि वो चुनाव प्रचार में हिस्सा ना ले सकें।

आजम खान ने अपनी अर्जी में सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि यूपी की कोर्ट्स में जमानत पर रिहाई के लिए तीन अलग-अलग मामलों में अर्जियां लगा रखी हैं लेकिन सरकार का अभियोजन विभाग उसमे जानबूझ कर लापरवाही बरत रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार नहीं चाहती कि वो किसी भी सूरत में चुनाव प्रचार के लिए जेल से बाहर आएं।

23 महीने बाद जेल से छूटे थे अब्दुल्लाह आजम

बता दें कि 23 महीने बाद 16 जनवरी को आजम खान के बेटे अब्दुल्लाह खान जेल से छूट कर रामपुर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने सरकार और प्रशासन पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा था कि इस बार चुनाव सरकार बनाम आवाम है। आज भी मेरे वालिद (आज़म खान) की जान को खतरा है। उनको कुछ हुआ तो सरकार और जेल प्रशासन जिम्मेदार होगा।

शीर्ष अदालत के फैसले के बाद संसदीय समिति ने ट्रंप संबंधी दस्तावेज प्राप्त किए

वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रीय अभिलेखागार और रिकॉर्ड प्रशासन ने प्रतिनिधि सभा की एक समिति को राष्ट्रपति से संबंधित 700 से अधिक पन्नों के दस्तावेज उपलब्ध कराए हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इन दस्तावेजों को जारी करने से रोकने की कोशिश को देश की शीर्ष अदालत द्वारा खारिज किए जाने के बाद समिति तक ये कागजात पहुंचाए गए हैं। इस घटनाक्रम से अवगत एक अधिकारी ने बताया कि छह जनवरी, 2021 को अमेरिकी संसद भवन 'कैपिटल' में हुए दंगे की जांच कर रही सदन की समिति को बृहस्पतिवार शाम को ये दस्तावेज प्राप्त हुए। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को फैसला दिया कि अभिलेखागार दस्तावेजों को साझा कर सकता है, जिसमें राष्ट्रपति की डायरी, आगंतुक सूची, मसौदा भाषण और पूर्व चीफ ऑफ स्टाफ मार्क मीडोज की फाइलों से छह जनवरी से संबंधित हस्तलिखित नोट्स शामिल हैं। ट्रंप के वकीलों को अदालत में मामला लंबा खिंचने और दस्तावेजों को रोक कर रखने की उम्मीद की थी। जांच आयोग ने इन दस्तावेजों के लिए पहली बार अगस्त में अनुरोध किया था और अब ये उन हजारों दस्तावेजों के साथ जुड़ जाएंगे जो आयोग ने पहले से ही एकत्र कर लिए हैं। आयोग ट्रंप समर्थकों की हिंसक भीड़ के हमले की जांच के साथ-साथ यह भी गौर कर रहा है कि पूर्व राष्ट्रपति और उनके सहयोगी हमले के वक्त क्या कर रहे थे।

ब्राजील में लगातार तीसरे दिन 160,000 से अधिक नए कोविड मामले दर्ज

ब्रासीलिया। ब्राजील में पिछले 24 घंटों में लगातार तीसरे दिन 160,000 से अधिक नए कोविड-19 मामले सामने आए हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सचिवों की परिषद ने इसकी जानकारी दी है। नए संक्रमणों से शनिवार की सुबह तक ब्राजील के कुल मामले बढ़कर 23,766,499 हो गए हैं। अमेरिका और भारत के बाद ब्राजील सबसे ज्यादा मामलों वाला देश है। इसी समय, देश में 358 मौतें दर्ज की गईं, जिससे यहां मृत्यु का आंकड़ा 622,875 हो गया। वहीं ओमिक्रॉन वेरिएंट के प्रसार से ब्राजील में मामलों और मौतों में वृद्धि हुई है, हालांकि दक्षिण अमेरिकी देश में बड़े पैमाने पर टीकाकरण ने हाल के महीनों में आंकड़ों को काफी कम कर दिया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, ब्राजील में 162.6 मिलियन लोगों या देश की 75.7 प्रतिशत आबादी को टीके की कम से कम एक खुराक मिली है और उनमें से 148.1 मिलियन लोगों को पूरी तरह से टीका लगाया जा चुका है।

फिलीपींस में 6.5 तीव्रता का भूकंप, सुनामी की चेतावनी जारी नहीं

मनीला। फिलीपींस के दावो ऑक्सिडेंटल प्रांत में शनिवार को 6.5 की प्रारंभिक तीव्रता वाला एक अपतटीय भूकंप आया, अधिकारियों ने कहा कि सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, फिलीपीन इंस्टीट्यूट ऑफ वोल्केनोलॉजी एंड सीस्मोलॉजी ने कहा कि भूकंप सुबह 10.26 बजे (स्थानीय समयानुसार) आया, जो सारंगानी शहर के बलुत द्वीप से लगभग 234 किमी दक्षिण-पूर्व में 66 किमी की गहराई पर स्थित था। संस्थान ने कहा कि टेक्टोनिक भूकंप के झटके हुए और नुकसान हुआ, लेकिन सुनामी का खतरा नहीं है। प्रशांत रिंग ऑफ फायर के साथ अपने स्थान के कारण फिलीपींस में लगातार भूकंपीय गतिविधि होती है।

अमेरिका ने चीनी विमानन कंपनी की उड़ानें बाधित कीं

वाशिंगटन। चीन द्वारा अमेरिकी विमानन कंपनियों की उड़ानों को रद्द किए जाने का दबाव बनाए जाने के जवाब में अमेरिका ने चीनी विमानन कंपनियों की 44 उड़ानें बाधित कर दी हैं। अमेरिकी परिवहन विभाग के शुक्रवार के आदेश से चीन की चार विमानन कंपनियां प्रभावित होंगी। इससे कोविड-19 संबंधी प्रतिबंधों को लेकर दोनों देशों के बीच चल रहा पुराना विवाद और बढ़ गया है। चीन ने डेल्टा एयरलाइंस, यूनाइटेड एयरलाइंस और अमेरिकन एयरलाइंस के कुछ यात्रियों के वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद इन विमानन कंपनियों की उड़ानों के देश में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया। अमेरिका ने कहा है कि चीन के कदमों ने किसी अन्य देश की विमानन कंपनियों की हर देश में पहुंच संबंधी संधि का उल्लंघन किया है। परिवहन विभाग ने कहा कि चीन का अमेरिकी विमानन कंपनियों की 44 उड़ान बाधित करने का फैसला ''जनहित के विरुद्ध है और इसके खिलाफ विभाग को समान अनुपात में जवाबी कार्रवाई करने की आवश्यकता है।'' अमेरिकी आदेश के तहत 30 जनवरी से 29 मार्च के बीच एयर चाइना, चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस, चाइना सदर्न एयरलाइंस और शियामेन एयरलाइंस की 44 उड़ान रद्द की जाएंगी।

ब्रिटेन में पेंशनभोगियों को मिला कम भुगतान :रिपोर्ट

लंदन। डीडब्ल्यूपी का अनुमान है कि 134,000 पेंशनभोगियों को कम भुगतान किया है, जिनमें ज्यादातर महिलाएं हैं, उनकी राज्य पेंशन पात्रता का 1 अरब ब्रिटिश पाउंड (1.36 अरब डॉलर) से ज्यादा है। ये जानकारी ब्रिटिश सरकार के कार्य और पेंशन विभाग (डीडब्ल्यूपी) ने दी। हाउस ऑफ कॉमन्स लोक लेखा समिति (पीएसी) ने शुक्रवार को अपनी रिपोर्ट में यह बात कही। रिपोर्ट के अनुसार, ये गलतियां ज्यादातर विधवाओं, तलाकशुदा और महिलाओं को प्रभावित करती हैं, जो कुछ पेंशन अधिकारों के लिए अपने पति के पेंशन योगदान पर भरोसा करती हैं, ये विभाग की पुरानी प्रणालियों के उपयोग और भारी मैनुअल प्रसंस्करण के कारण हुई। पहले की गई गलतियां जिनमें अभी तक सुधार नहीं किया गया है, वो अब भी मुश्किलों का कारण बनती हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, पीएसी के अध्यक्ष मेग हिलियर ने कहा कि अज्ञात संख्या में पेंशनभोगियों की मौत हो गई।

शीत युद्ध की तुलना में दुनिया इस समय अधिक अप्रत्याशित है : संयुक्त राष्ट्र प्रमुख

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने कहा कि दुनिया पूर्ववर्ती सोवियत संघ और अमेरिका के बीच हुए शीत युद्ध की तुलना में इस समय ''कहीं अधिक अराजक और अप्रत्याशित'' है और यह स्थिति खतरनाक है, क्योंकि संकटों से निपटने के लिए कोई ''साधन'' नहीं हैं। गुतारेस ने शुक्रवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि शीत युद्ध उन दो विरोधी धड़ों के बीच था, जहां संघर्ष को रोकने के लिए स्पष्ट नियम एवं तंत्र थे। उन्होंने कहा, ''यह कभी उतना भीषण नहीं हुआ, क्योंकि कुछ हद तक इसमें स्थितियों का अनुमान लगाया जा सकता था।' संयुक्त राष्ट्र महासचिव के रूप में दूसरा कार्यकाल आरंभ करने वाले गुतारेस ने द 'एसोसिएटेड प्रेस' के साथ बृहस्पतिवार को साक्षात्कार के दौरान कहा था कि दुनिया कई मायनों में पांच साल पहले की तुलना में बदतर है, क्योंकि कोविड-19 वैश्विक महामारी, जलवायु संकट और भू-राजनीतिक तनाव ने हर जगह संघर्ष को जन्म दिया है, लेकिन अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के विपरीत उन्हें नहीं लगता कि रूस यूक्रेन पर हमला करेगा। गुतारेस ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए उनका संदेश है कि यूक्रेन में ''कोई सैन्य हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि ऐसा नहीं होगा और मैं उम्मीद करता हूं कि यही बात सही साबित हो।'' गुतारेस का यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और रूस ने यूक्रेन को लेकर जारी संकट के बीच शुक्रवार को महत्वपूर्ण वार्ता कर तनाव कम करने की कोशिश की। बहरहाल, दोनों देशों के नेताओं ने कहा कि अभी वार्ता के जरिए कोई समाधान नहीं निकला है। गुतारेस ने कहा, ''मेरे लिए यह जरूरी है कि इस वार्ता से स्थिति अच्छी हो और अच्छी स्थिति यह है कि तनाव कम हो और संकट समाप्त हो। यही हमारा उद्देश्य है।'' महासचिव ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दुनिया को अमेरिका और चीन के बीच दो भागों में बांटने से प्रतिद्वंद्वी आर्थिक प्रणालियां एवं नियम विकसित होंगे, जिनकी अपनी प्रमुख मुद्रा होगी, जिनकी अपनी इंटरनेट एवं प्रौद्योगिकी प्रणाली और कृत्रिम मेधा होगी तथा ऐसा स्थिति से ''हर हाल में'' बचा जाना चाहिए। गुतारेस ने महासभा में संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों के राजनयिकों के समक्ष 2022 के लिए अपनी प्राथमिकताएं और वैश्विक परिदृश्य का आकलन पेश करने के बाद संवाददाताओं से बात की। उन्होंने कोविड-19 से निपटने में असमानता एवं अन्याय, ''गरीब विरोधी वैश्विक आर्थिक प्रणाली और मौजूदा जलवायु खतरों पर पर्याप्त कदमों का अभाव जैसी स्थितियों को सामाजिक एवं आर्थिक रूप से खतरनाक बताया।

मोंटेवीडियो मेजर कैरोलिना कोसे, सेंटर स्टैंडिंग, उरुग्वे के मोंटेवीडियो में उद्घाटन कार्निवल परेड के स्टैंड से एक स्नैपशॉट लेता है।

इटली ने यूनेस्को से की एस्प्रेसो को विरासत सूची में शामिल करने की अपील

रोम।

इटली ने संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) से इटली के एस्प्रेसो को एक अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता देने की अपील की है। इस संबंध में इटली के कृषि मंत्रालय ने यूनेस्को को एक आवेदन दिया है। यह जानकारी इटली के उप कृषि मंत्री जियान मार्को सेंटिनियो ने शुक्रवार को दी।

स्काई टीजी 24 न्यूज चैनल ने श्री सेंटिनियो के हवाले से अपनी रिपोर्ट में बताया कि एस्प्रेसो इटली की राष्ट्रीय पहचान और सामाजिकता की अभिव्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। श्री सेंटिनियो ने उम्मीद जतायी कि यूनेस्को राष्ट्रीय आयोग 31 मार्च तक इसे मंजूरी प्रदान देगा और इसे पेरिस में यूनेस्को मुख्यालय भेज देगा।

उल्लेखनीय है कि दिसंबर 2017

में, नीपोलिटन पिज्जा बनाने की कला को यूनेस्को की अमूर्त विरासत सूची में शामिल किया था। पिछले साल इटली में ट्रफल शिकार और निष्कर्षण को भी सूची में अंकित किया गया था।

टकराव के कगार पर खड़ी है दुनिया :एंटोनियो गुटेरेस

संयुक्त राष्ट्र।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि दुनिया एक नए प्रकार के नरम टकराव के कगार पर खड़ी है, जो शीत युद्ध से भी बदतर है।

श्री गुटेरेस ने शुक्रवार को संरा महासभा में 2022 के लिए प्राथमिकताएं प्रस्तुत करते हुए दुनिया की वर्तमान स्थिति के बारे में पांच मुद्दे उठाए।

उनकी प्रस्तुति के बाद प्रेस वार्ता में जब उनसे पूछा गया कि क्या दुनिया द्वितीय शीत युद्ध के कगार पर खड़ी है, तो उन्होंने इसके जवाब में कहा कि दुनिया द्वितीय शीत युद्ध के कगार पर नहीं है, बल्कि उससे भी बुरी स्थिति है। उन्होंने कहा, कगार (द्वितीय शीत युद्ध) पर नहीं, लेकिन हम एक नया रूप देख रहे हैं। मैं इसे शीत युद्ध नहीं कहूंगा। मैं इसे गर्म युद्ध नहीं कहूंगा।

मैं इसे शायद टकराव का नया रूप कहूंगा। उन्होंने कहा कि शीत युद्ध के कुछ निश्चित नियम थे। यह दो समूहों के बीच था।

दोनों समूहों में से प्रत्येक का अपना सैन्य गठबंधन था और संघर्ष की रोकथाम के स्पष्ट तंत्र था।उन्होंने कहा, जिस तरह से शीत युद्ध अस्तित्व में था, उसके बारे में एक निश्चित स्तर की भविष्यवाणी थी। अब हम बहुत अधिक अराजक है, बहुत कम अनुमान है। हमारे पास संकट से निपटने के लिए कोई उपकरण नहीं है। वास्तव में, हम एक खतरनाक स्थिति में रहते हैं।

तीन देशों की यात्रा के बाद लौटे दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति

सियोल।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जे-इन शनिवार को मध्य पूर्व की तीन देशों की यात्रा के बाद स्वदेश लौटे, जहां आर्थिक और रक्षा सहयोग को मजबूत करना एजेंडे में सबसे ऊपर था। योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में, दक्षिण कोरिया ने फारस की खाड़ी राष्ट्र को सियोल की मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों को बेचने के लिए एक प्रारंभिक समझौते पर हस्ताक्षर किए, जो दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को गहरा करने के नए संकेत में है। दुबई में मून ने यूएई के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम के साथ बातचीत के बाद सौदे पर हस्ताक्षर किए। रियाद में मून ने सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के साथ बातचीत की और हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था से संबंधित क्षेत्रों में मिलकर काम करने पर सहमत हुए। वार्ता के दौरान, सियोल और रियाद ने संयुक्त रूप से हरित हाइड्रोजन विकसित करने के लिए प्रारंभिक सौदों पर हस्ताक्षर किए, जो अक्षय ऊर्जा स्रोतों, विशेष रूप से सौर और पवन से उत्पन्न होता है और संयुक्त रूप से एक हाइड्रोजन पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करता है। मून ने रियाद में खाड़ी सहयोग परिषद के महासचिव नायेफ बिन फलाह अल-हजरफ के साथ भी बातचीत की और वे इस साल की पहली तिमाही में अपनी मुक्त व्यापार वार्ता फिर से शुरू करने पर सहमत हुए। काहिरा में, मून ने मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फत्ताह अल-सीसी के साथ शिखर वार्ता की और द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते पर एक संयुक्त व्यवहार्यता अध्ययन करने के लिए सहमत हुए। दक्षिण कोरिया और मिस्र के बीच द्विपक्षीय व्यापार हाल के वर्षों मंय बढ़ रहा है और पिछले साल यह 2.3 बिलियन डॉलर था।

वार्ता के दौरान, सियोल और रियाद ने संयुक्त रूप से हरित हाइड्रोजन विकसित करने के लिए प्रारंभिक सौदों पर हस्ताक्षर किए, जो अक्षय ऊर्जा स्रोतों, विशेष रूप से सौर और पवन से उत्पन्न होता है और संयुक्त रूप से एक हाइड्रोजन पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करता है।

वाशिंगटन में कैपिटल हिल पर यूएस सुप्रीम कोर्ट के बाहर मार्च फॉर लाइफ में लोग भाग लेते हैं।

मलेशिया में कोरोना के 4,046 नए मामले

कुआलालम्पुर।

मलेशिया में कोरोना वायरस के 4,046 नए मामले दर्ज किये गये हैं और इसके बाद यहां अब तक इससे संक्रमित होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 28,24,973 हो गयी है। मलेशिया के स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट पर शुक्रवार मध्यरात्रि जारी किये गये आंकड़ों के मुताबिक कोविड-19 के नए मामलों में से 489 विदेशों से आए हुए लोगों से संबंधित है, जबकि 3557 मामले स्थानीय स्तर पर संक्रमण के हैं। वहीं इस महामारी देश 16 और मरीजों की मौत हुयी है और इसके बाद मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 31,869 हो गया है। मंत्रालय के मुताबिक देश में 2,804 और लोग ठीक हुए हैं तथा इसके बाद इस महामारी को मात देने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 2,750,261 हो गयी है। देश में इस समय कोरोना के 42843 मामले हैं, जिनमें से 149 लोगों का गहन चिकित्सा कक्ष में उपचार चल रहा है तथा 71 लोगों

को ऑक्सीजन की जरूरत पड़ रही है। मलेश में शुक्रवार को 163,942 वैक्सीन की खुराक दी। देश में 79.8 प्रतिशत आबादी को वैक्सीन की कम से कम एक खुराक दी जा चुकी है। वहीं 78.7 फीसदी आबादी को वैक्सीन की दोनों खुराक दी गयी है। मलेश में 31.8 प्रतिशत आबाद को बूस्टर डोज दी जा चुकी है।

मनीषा संग परिणय सूत्र में बंधे सचिन

नई दिल्ली। श्रीमती सोमा रानी एवं स्व. श्री हरबंस लाल के सुपुत्र आयुष्यमान् चिरंजीवी सचिन का शुभ विवाह श्रीमती वंदना एवं श्री गेंदा लाल की सुपुत्री सौभाग्यवती मनीषा से कौशांबी, गाजियाबाद स्थित एंजल मेगा मॉल के ग्रैंड मिलन बैंक्वेट्स में शनिवार को शुभ मंगल वेला में धूमधाम से संपन्न हुआ। इस शुभ अवसर पर वर एवं वधू पक्ष के बुजुर्गों ने नव-विवाहित दंपत्ति को दांपत्य जीवन की सफलता का आशीर्वाद दिया तो समवयस्कों ने वर-वधू को हार्दिक बधाई दी। वैभव परिवार भी इस अवसर पर नव-दंपत्ति की सफल एवं सार्थक जीवन की अशेष कामना करता है।

वंचित बच्चों को लगाई गई कोरोना वैक्सीन

नई दिल्ली। महामारी से आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित बच्चों को बचाने के लिए विशिस एंड ब्लेसिंग्स ने मेदांता के साथ मिलकर 15 से 18 वर्ष के आयु के बच्चों के लिए नई दिल्ली के ग्रेटर कैलाश में कोविड टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में करीब 150 बच्चों के टीकाकरण का लक्ष्य रखा गया था लेकिन जागरूकता के अभाव में यह संख्या पूरी नही हो सकी। विशिस एंड ब्लेसिंग्स की संस्थापिका डॉ. गीतांजलि चोपड़ा ने बताया कि कोविड-19 की तीसरी लहर से बच्चों को बचाने के लिए सरकार ने बच्चों के लिए टीकाकरण शुरू कर दी है। इसी को ध्यान में रखते हुए संस्था ने भी बच्चों के लिए कोविड टीकारकण शिविर का आयोजन किया था,लेकिन जागरूकता के अभाव में बच्चों ने शिविर का लाभ नही उठा पाए। उन्होंने कहा कि गरीब वर्गों में आज भी वैक्सीन के विषय में जानकारी पहुंचाने की अवयश्यक्ता है।

केजरीवाल सरकार स्कूल वैक्सीनेशन में अव्वल

तीन हफ्ते से भी कम समय में 15 से 18 वर्ष के 85 फीसद स्टूडेंट्स का हुआ वैक्सीनेशन

नई दिल्ली। दिल्ली के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए और कोरोना से बचाव के लिए केजरीवाल सरकार द्वारा बड़े स्तर पर वैक्सीनेशन अभियान चलाया गया है, जिसका नतीजा यह है कि 3 हफ्ते से भी कम समय में दिल्ली के सरकारी स्कूलों में 15-18 आयु वर्ग के लगभग 85 फीसद बच्चों को 21 जनवरी तक वैक्सीन लगाई जा चुकी है। शिक्षा निदेशालय ने 30 जनवरी तक 100 फीसदी वैक्सीनेशन का लक्ष्य रखा है जो पूरा होता दिख रहा है। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि वैक्सीनेशन कोरोना से बचाव का सबसे कारगर उपाय है। इसलिए यह बेहद जरुरी है कि जो भी स्टूडेंट्स वैक्सीनेशन के लिए एलिजिबल है, वे टीकाकरण अवश्य करवाएं। उन्होंने साझा किया दिल्ली के 15 में से 12 एजुकेशन डिस्ट्रिक्ट के सरकारी स्कूलों में 85 फीसद बच्चों को टीके लग चुके हैं और लगभग 300 स्कूल ऐसे हैं, जहां 90 फीसद एलिजिबल बच्चों को टीका लग चुका है। डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने कहा कि वैक्सीनेशन को लेकर सरकारी स्कूलों में जिस गति से काम हो रहा है, वो वाकई में काबिले तारीफ़ है। कोरोना के इस मुश्किल हालात में हमारे शिक्षक बच्चों की पढ़ाई से लेकर उनके वैक्सीनेशन तक और बाकी अन्य कार्यों में भी मोर्चा संभाले नज़र आए हैं। उन्होंने कहा कि वैक्सीनेशन हमें पढ़ाई को ऑनलाइन से ऑफ लाइन शिफ्ट करने में मदद करेगा। अब जहां कोरोना के मामले कम हो रहे हैं और बड़ी क्लासों के ज्यादातर बच्चों को वैक्सीन लग चुकी है, तो इस स्थिति में डीडीएमए के समक्ष स्कूलों को दोबारा खोलने का प्रस्ताव रखा जा सकता है।

एक ओर जहां सरकारी स्कूल वैक्सीनेशन के अपने लक्ष्य को पूरा करने की तरफ बढ़ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर प्राइवेट स्कूलों में कछुए की चाल से टीकाकरण हो रहा है। प्राइवेट स्कूलों में 21 जनवरी तक मात्र 42 फीसद एलिजिबल स्टूडेंट्स का टीकाकरण हुआ है। पूर्वी जिले को छोड़ दें, तो बाकी सभी जिलों में प्राइवेट स्कूलों के टीकाकरण का कुल आंकड़ा 50 फीसद तक भी नहीं पहुँच पाया है। प्राइवेट स्कूलों में टीकाकरण के लिए लगभग 3.5 लाख एलिजिबल स्टूडेंट्स हैं, लेकिन अभी लगभग 2 लाख स्टूडेंट्स को टीका नहीं लगा है। टीकाकरण के मामलें में एडेड स्कूलों के आंकड़े भी कुछ खास नहीं हैं। यहां भी अबतक कुल एलिजिबल स्टूडेंट्स में केवल 57 फीसद को ही वैक्सीन लगी है।

उल्लेखनीय है कि 15-18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए वैक्सीनेशन 3 जनवरी से शुरू हो गई थी। केजरीवाल सरकार ने इन बच्चों की वैक्सीनेशन के लिए युद्ध स्तर तैयारियां शुरू कर दी थी। दिल्ली सरकार के हर स्कूल में वैक्सीनेशन के लिए नोडल इंचार्ज नियुक्त किया गया था।7 साथ-साथ सभी कक्षाध्यापकों को यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी थी कि वे बच्चों व उनके पेरेंट्स को वैक्सीनेशन साईट की जानकारी दें। सरकार द्वारा इन बच्चों के टीकाकरण के लिए 150 से अधिक वैक्सीनेशन साइट्स निर्धारित किए गए थे। साथ ही सरकारी स्कूलों में शुरू किए गए 20 स्कूल हेल्थ क्लीनिकों को भी टीकाकरण केंद्र बनाया गया था।

मोदी ने की जिलाधिकारियों से बात

नई दिल्ली।

इस अभियान का महत्वपूर्ण पहलू प्रौद्योगिकी और नवाचार है। प्रधानमंत्री ने उन जिलों का भी उल्लेख किया जहां कुपोषण, स्वच्छ पेयजल और टीकाकरण जैसे क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी और नवाचार के उपयोग से उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त हुए हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में एक समान बुनियादी विकास को गति देने के लिए विभिन्न राज्यों के ऐसे 142 जिलों के जिलाधिकारियों (कलेक्टरों) से शनिवार को बात की जो विभिन्न सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के मामले में एक-दो मानकों में पिछड़ने लगे हैं और उन्हें सामूहिकता की भावना से काम करके तय समय में लक्ष्य पूरा करने के लिए प्रेरित किया।

प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इन जिलाधिकारियों से बात की और उन्हें आकांक्षी जिलों में विकास के लिए जिस रणनीति पर काम किया जा रहा है, उसके बारे में जानकारी दी। श्री मोदी ने कहा कि जब दूसरों की आकांक्षाएँ, अपनी आकांक्षाएँ बन जाएँ, जब दूसरों के सपनों को पूरा करना अपनी सफलता का पैमाना बन जाए, तो फिर वह कर्तव्य पथ इतिहास रचता है। आज हम देश के आकांक्षी जिलों में यही इतिहास बनते हुए देख रहे हैं। आज आकांक्षी जिले, देश के आगे बढ़ने के अवरोध को समाप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आकांक्षी जिलों में देश को जो सफलता मिल रही है, उसका एक बड़ा कारण है सामूहिकता एवं समन्वय की भावना। इसी कारण से सारे संसाधन वही हैं, सरकारी मशीनरी वही है, अधिकारी वही हैं लेकिन परिणाम अलग हैं।

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि आकांक्षी जिलों के विकास के लिए प्रशासन और जनता के बीच सीधा और भावनात्मक जुड़ाव बहुत जरूरी है। एक प्रकार का ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर शासन का प्रवाह। उन्होंने कहा कि इस अभियान का महत्वपूर्ण पहलू प्रौद्योगिकी और नवाचार है। प्रधानमंत्री ने उन जिलों का भी उल्लेख किया जहां कुपोषण, स्वच्छ पेयजल और टीकाकरण जैसे क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी और नवाचार के उपयोग से उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त हुए हैं।

श्री मोदी ने पिछले 4 सालों में देश के लगभग हर आकांक्षी जिले में जन-धन खातों में चार से पांच गुना की वृद्धि हुई है। लगभग हर परिवार को शौचालय मिला है, हर गाँव तक बिजली पहुंची है और बिजली सिर्फ गरीब के घर में नहीं पहुंची है, बल्कि लोगों के जीवन में ऊर्जा का संचार हुआ है। उन्होंने कहा कि आकांक्षी जिलों ने ये साबित किया है कि क्रियान्वयन में नीरसता खत्म होने से, संसाधनों का अधिकतम उपयोग होता है। ये सामर्थ्य, ये सामूहिक शक्ति, हमें आज आकांक्षी जिलों में नजर आती है।

IAS कैडर रूल्स में बदलाव

नई दिल्ली। आईएएस प्रतिनियुक्ति नियमों में केंद्र सरकार के प्रस्तावित संशोधन पर विरोध तेज हो गया है। प. बंगाल की CM ममता बनर्जी के बाद छत्तीसगढ़ के CM भूपेश बघेल, राजस्थान के CM अशोक गहलोत और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ऐतराज जताया है। इसे लेकर सभी ने PM नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। दरअसल, मोदी सरकार आईएएस (कैडर) रूल्स, 1954 में बदलाव करना चाहती है।

इसके अनुसार, राज्य सरकारों के आरक्षण (अधिकार) को बायपास कर केंद्र किसी भी आईएएस अफसर को डेपुटेशन पर बुला सकती है।

दक्षिणी दिल्ली क्षेत्र के मुख्य बाजारों में बनेंगे पिंक टॉयलेट

■ नई दिल्ली

दक्षिणी निगम महिलाओं व बच्चों के लिए बनाए गए पिंक टॉयलेट का सफलतापूर्वक रख-रखाव व संचालन कर रहा है। महिलाओं की सुविधा के लिए निगम मुख्य बाजारों व भीड़.भाड़ वाले क्षेत्रों में भी पिंक टॉयेलट का निर्माण करने की योजना बना रहा है। दक्षिणी निगम पीवीआर नेस्ट के सहयोग से इन पिंक टॉयलेट को चला रहा है। यह टॉयलेट मुख्य बाजारों जैसे कि सेन्ट्रल मार्किट लाजपत नगर,अमर कॉलोनी लाजपत नगर, अमर कॉलोनी लाजपत नगर, अरबिंदो मार्किट, शाहपुर जट, आरके पुरम, प्रिया कॉम्पलेक्स, वसंत विहार, पीवीआर अनुपम साकेतए पीवीआर विकासपुरी कॉम्पलेक्स आदि में स्थित है। यह शौचालय सभी नवीनतम व आधुनिक सुविधाओं से युक्त है। इन पिंक टॉयलेट में आधुनिक सुविधाएं जैसे सैनिटरी नैपकिन वैंडिग मशीन, नैपकीन इंसीनरेटर मशीन,सोप-डिस्पेन्सर, हेंड-ड्रायर उचित वेन्टीलेशन, पानी और बिजली की सुविधाए दिव्यांगो और बच्चों के लिए विशेष कम उंचाई वाली टॉयलेट सीट, डस्टबीन आदि उपलब्ध है। पिंक टॉयलेट महिलाओं को सुरक्षितए सुलभ जन सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बनाए गए है और इनमें अलग से फीडिंग और चेंजिग रूम भी उपलब्ध कराया गया है। निगम ने इन महिला शौचालयों में सुरक्षाप्रबंध, बिजली और पानी की आपूर्ति के प्रबंध किए हैं। इन पिंक टॉयलेट का रखरखाव विशेष कर महिला सफाई सैनिकों द्वारा किया जा रहा है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि हर समय सफाई व्यवस्था बनी रहे। ये शौचालय सुबह 8 बजे से लेकर रात 8 बजे तक खुले रहते है और निःशुल्क सुविधाएं उपलब्ध है। निगम स्टॉफ द्वारा लगातार इनका निरीक्षण किया जाता है। दक्षिणी निगम ने 11 अक्टूबर 2017 को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर पीवीआर विकासपुरी में पहला पिंक टॉयलेट का उद्घाटन किया गया।

चौधरी जुबैर अहमद ने लाइब्रेरी स्थापित कर दिल्ली की राजनीति में इतिहास रच दिया है: कुंवर शहज़ाद

नई दिल्ली। बाबरपुर ज़िला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और सीलमपुर विधानसभा क्षेत्र के चौहान बांगर वार्ड से पार्षद चौधरी जुबैर अहमद ने चुनाव से पहले चौहान बांगर की जनता से चार वादे किए थे, जिसे उन्होंने वक्त से पहले पूरा कर दिया है। ये

विचार कांग्रेस के उभरते हुए नेता कुंवर शहज़ाद ने संवादता से बात करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि चौधरी जुबैर अहमद ने चार वादों में पहला वादा लेंटरों पर नाजायज़ पैसों के लेन देन पर रोक लगाना।दूसरा वार्ड में नाजायज़ चालान नही होने देना,और तीसरा आम लोगों की शिकायतों के लिए व्हाट्सएप नंबर जारी करना और चौथा और सब से अहम लड़कियों के लिए लाइब्रेरी बनाने का वादा पूरा कर दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी वही करती है जो कहती है। राज्य सरकार की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि जहां प्रत्येक वार्ड में तीन शराब के ठेके खोले जा रहे हैं, वहीं जुबैर अहमद ने अपने खर्च पर लाइब्रेरी की स्थापना की है जिस को सभी वर्ग के लोग पसंद कर रहे है। उन्होंने कहा कि चौहान बांगर में लाइब्रेरी बनने के बाद,दिल्ली के विभिन्न वार्डों के लोग भी अपने वार्ड में लाइब्रेरी की मांग कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि चौधरी जुबैर अहमद की कोशिशों से स्थापित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम खवातीन लाइब्रेरी काम करने वाले नेता और विकास करने वाली पार्टी की प्रतीक है।

दिल्लीवालों पर ऑड-ईवन और वीकेंड कर्फ्यू थोप रही है केंद्र सरकार: भारद्वाज

वैभव न्यूज ■ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) ने केंद्र सरकार पर उपराज्यपाल के जरिए दिल्लीवालों पर ऑड-ईवन और वीकेंड कर्फ्यू थोपने का आरोप लगाया है। आप के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज का कहना है कि भाजपा कोरोना के समय में राजनीतिक फायदा उठाने के लिए घटिया स्तर की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में जब ओमीक्रोन ने दस्तक दी तो भाजपा के लोग ट्वीट कर दिल्ली सरकार को कोस रहे थे कि बाजारों में बहुत भीड़ लगी हुई है, जिससे ओमीक्रोन फैल जाएगा। मगर दिल्ली में ऑड ईवन लागू होने के चार-पांच दिन बाद भाजपा के समर्थकों ने कहना शुरू किया कि दिल्ली का व्यापार बर्बाद कर दिया। दिल्ली सरकार ने एलजी से सिफारिश की कि कोरोना कम हो गया है तो ऑड ईवन और वीकेंड कर्फ्यू हटा लिया जाए। लेकिन भाजपा के उपराज्यपाल ने सुझाव को ठुकरा दिया।

गणतंत्र दिवस-2022 के लिए पंजाब सरकार की झाँकी राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए राज्य द्वारा दिये बलिदानों को दर्शायेगी

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस परेड-2022 के लिए पंजाब सरकार की झाँकी ब्रिटिश शासन से देश की स्वतंत्रता की लड़ाई के दौरान पंजाब द्वारा दिये अथाह योगदान को दर्शायेगी।

इस सम्बन्धी जानकारी देते हुये एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि इस झाँकी में स्वतंत्रता आंदोलन के महान शहीदों जैसे शहीद-ए-आज़म भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव, पंजाब केसरी लाला लाजपत राय के नेतृत्व में साइमन कमिशन के विरुद्ध लाहौर में रोष प्रदर्शन और शहीद ऊधम सिंह की तरफ से 21 सालों के बाद 13 मार्च, 1940 को लंदन के कैकस्टन हॉल में जलियांवाला बाग़ के हत्याकांड के समय पंजाब के लैफ्टिनैंट गवर्नर माइकल ओडवायर को गोली मार कर जलियांवाला बाग़ के हत्याकांड का बदला लेने को दर्शाया गया है।

प्रवक्ता ने आगे बताया कि ट्रैक्टर के अगले हिस्से में बहादुर स्वतंत्रता सेनानी-शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरू को श्रद्धांजलि भेंट करते हुये दिखाया गया है, जो कि करतारपुर में जंग-ए-आज़ादी यादगार के एक हिस्से में खड़े दिखाऐ देते हैं।

प्रवक्ता ने आगे बताया कि ट्रेलर 30 अक्तूबर, 1928 को लाला लाजपत राय के नेतृत्व में साइमन कमिशन के विरोध के दृश्य से शुरू होता है जो पुलिस लाठीचार्ज में ज़ख़्मी हो गए थे और 17 नवंबर, 1928 को ज़ख़्मों की मार न बर्दाश्त करते हुए दम तोड़ गए। ट्रेलर के मध्य में 13 मार्च, 1940 की घटना को दर्शाया गया है जब शहीद ऊधम सिंह ने माइकल ओडवायर को गोली मारी थी जो जलियांवाला बाग़ के हत्याकांड के लिए ज़िम्मेदार था।

ट्रेलर का अंतिम हिस्सा करतारपुर में जंग-ए-आज़ादी यादगार को दर्शाता है जहां समाज के सभी वर्गों के लोग शहीदों को श्रद्धांजलि भेंट करते दिखाई देते हैं। ट्रैक्टर के हिस्से के साईड पैनल पर और ट्रेलर के शुरू में स्वतंत्रता आंदोलन के प्रतिकात्मक दृश्य दिखाऐ गए हैं। इस बीच, 21 जनवरी, 2022 को राष्ट्रीय रंगशाला कैंप, दिल्ली कैंट में रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित लोक नृत्य प्रतियोगिता में पंजाब झांकी के साथ पेशकारी करने वाले भांगड़ा कलाकारों ने भी तीसरा स्थान हासिल किया।

मरने वालों में 60 प्रति. ने नहीं कराया था समुचित टीकाकरण

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कोविड-19 महामारी की मौजूदा लहर के दौरान मरने वालों में 60 प्रतिशत लोग ऐसे थे जिन्होंने या तो बिलकुल टीकाकरण नहीं कराया था या फिर आंशिक टीकाकरण ही कराया था। यह बात एक निजी अस्पताल के एक अध्ययन में कही गई है। मैक्स हेल्थकेयर द्वारा किए गए अध्ययन में कहा गया है कि दर्ज की गई मौतों के मामले में ज्यादातर लोग 70 वर्ष से अधिक उम्र के थे या वे गुर्दे की बीमारियों, हृदय रोग, मधुमेह, कैंसर जैसी कई अन्य बीमारियों से भी पीड़ित थे। इसने एक बयान में कहा, हमारे अस्पतालों में अब तक हुई 82 लोगों की मौत के मामले में 60 प्रतिशत ऐसे लोग थे जिन्होंने या तो आंशिक टीकाकरण कराया था या फिर बिलकुल भी टीकाकरण नहीं कराया था। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन भी इस बात पर जोर देते रहे हैं कि मृत्यु उन रोगियों की हो रही है जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर है और जिन्हें अन्य बीमारियां भी हैं। महामारी की तीन लहरों के तुलनात्मक अध्ययन में यह भी कहा गया है कि महामारी की तीसरी लहर के दौरान केवल 23.4 प्रतिशत रोगियों को ऑक्सीजन देने की आवश्यकता पड़ी है, जबकि दूसरी लहर के दौरान 74 प्रतिशत और पहली लहर के दौरान 63 प्रतिशत रोगियों को ऑक्सीजन देने की आवश्यकता पड़ी थी। अध्ययन में कहा गया है कि मैक्स नेटवर्क के सभी अस्पतालों में कोविड-19 के चलते 41 बच्चे भर्ती हुए। इसने कहा, हालांकि, इस आयु वर्ग में कोई मौत नहीं हुई है। सात को बाल गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती करने की आवश्यकता पड़ी जबकि दो को वेंटिलेटर पर रखने की। अस्पताल ने कहा कि जब दिल्ली में अप्रैल में दूसरी लहर के दौरान 28,000 मामले आए थे तो

अस्पतालों में आईसीयू बिस्तर उपलब्धता शून्य थी, जबकि मौजूदा लहर के दौरान जब पिछले सप्ताह अधिक संख्या में मामले सामने आए थे तो बिस्तर उपलब्धता का कोई संकट नहीं था। रिपोर्ट में कहा गया है कि पहली, दूसरी और तीसरी लहर के दौरान अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या क्रमशः 20,883, 12,444 और 1378 रही। पहली लहर में समग्र मृत्यु दर 7.2 प्रतिशत थी जो दूसरी लहर के दौरान बढ़कर 10.5 प्रतिशत हो गई। मैक्स अस्पतालों में मौजूदा लहर के दौरान छह प्रतिशत मृत्यु दर दर्ज की गई है। अध्ययन में कहा गया है, यद्यपि भर्ती होने वाले रोगियों की संख्या पिछले 10 दिनों में तेजी से बढ़ी है और रोजाना अधिक से अधिक मौतों की सूचना आ रही है, अच्छी खबर यह है कि ओमीक्रोन स्वरूप से मामूली बीमारी हो रही है। इसने कहा कि अस्पतालों में भर्ती होने वालों की संख्या कम रहने का कारण कोविड रोधी टीकाकरण है और इसी की वजह से बड़े पैमाने पर ऑक्सीजन देने की जरूरत नहीं पड़ रही है। अस्पताल श्रृंखला ने कोविड-19 की तीसरी लहर की शुरुआत से लेकर 20 जनवरी 2022 तक अध्ययन किया। यह अध्ययन मैक्स हेल्थकेयर के समूह चिकित्सा निदेशक डॉक्टर संदीप बुद्धिराजा के निर्देशन में किया गया।

दिल्ली में शुक्रवार को संक्रमण के 10,756 नए मामले और 38 मौत दर्ज की गईं, जबकि संक्रमण दर घटकर 18.04 प्रतिशत हो गई। राष्ट्रीय राजधानी में तीसरी लहर के दौरान 13 जनवरी को 28,867 मामले सामने आए थे जो महामारी की शुरुआत के बाद से अब तक एक दिन में आए सर्वाधिक मामले हैं। महामारी के मामलों की संख्या में अब गिरावट आनी शुरू हो गई है।

बीटिंग रिट्रीट से हटी गांधी जी की पसंदीदा धुन

नई दिल्ली/एजेंसी।

महात्मा गांधी के पसंदीदा भजन की धुन 'अबाइड विद मी' इस बार बीटिंग रिट्रीट में सुनाई नहीं देगी। बीटिंग रिट्रीट के लिए 26 धुनों की लिस्ट बनाई गई है, जिसमें 'अबाइड विद मी' शामिल नहीं है। इसे महात्मा गांधी की पुण्यतिथि से एक दिन पहले 29 जनवरी को होने वाले बीटिंग रिट्रीट समारोह के आखिर में बजाया जाता था। 1950 से लगातार इस धुन को बीटिंग रिट्रीट में बजाया जाता रहा है, लेकिन 2020 में पहली बार इसे समारोह से हटा दिया गया। इस पर काफी विवाद होने के बाद साल 2021 में इसे फिर से समारोह में शामिल कर लिया गया। यह दूसरी बार है जब इस धुन को बीटिंग रिट्रीट से हटाया गया है।

नेता जी आये, सम्राट पंचम गये

एक रपट के अनुसार ढाई दशक पूर्व (1995) में मास्को अभिलेखागार में तीन भारतीय शोधकर्ताओं ने चंद ऐसे दस्तावेज थे जिनसे अनुमान होता है कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस कथित वायुयान दुर्घटना के दस वर्ष बाद तक जीवित थे। वे स्टालिन के कैदी के नाते साइबेरिया के श्रम शिविर में नजरबंद रहे होंगे। सुभाष बाबू के भतीजे सुब्रत बोस ने प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव से इसमें तफ्तीश की मांग भी की थी। इसी आधार पर टोक्यो के रेणकोटी मंदिर में नेताजी की अनुमानित अस्थियां कलकत्ता लाने का विरोध होता रहा।

सुभाष बोस की वापसी

के. विक्रम राव

इतिहास का उतार–चढ़ाव देखें। साथ में वक्त की करवट भी। पांच दशक बीते, नयी दिल्ली के हृदय स्थल इंडिया गेट से अपने विशाल भारत साम्राज्य को निहारती रही ब्रिटिश बादशाह जॉर्ज पंचम की पथरीली मूर्ति। अब उसके हटने से रिक्त पटल पर कल (23 मार्च 2022) उनकी 125वीं जयंती पर अंग्रेज राज के महानतम सशस्त्र बागी सुभाष चन्द बोस की प्रतिमा स्थापित होगी। नरेन्द्र मोदी करेंगे। शायद बागी बोस फिर अपने हक से वंचित रह जाते क्योंकि वहां इंदिरा गांधी की प्रतिमा लगाने की बेसब्र योजना रची गयी थी। स्वाधीन भारत के दो दशकों (नेहरु राज के 17वर्ष मिलाकर) यह गुलामी का प्रतीक सम्राट का बुत राजधानी को सुशोभितकरता रहा। मानों गोरे अबतक दिल्ली में ही रहे!

वह बादशाह जिसके विश्वव्यापी राज में सूरज कभी नहीं डूबता था, (किसी न किसी गुलामदेश में दिखता था) को अस्त कराने में नेताजी बोस की भूमिका का सम्यक वर्णन अभी बाकी है। इतिहास की दरकार है।

युग का न्याय भी कितना वाजिब रहा! आज दिल्ली का कोरोनेशन पार्क (जहां जॉर्ज पंचम का पुतला 1968 से पड़ा है।) उत्तरी दिल्ली में खाली पड़ा एक मैदान मात्र है। इस जॉर्ज पंचम का वैभवी पुतला गत अर्ध सती से इस मैदान के जंगली झांड़ियों से आच्छादित वीरान कोने में पड़ा है। हर मौसम ?के थपेड़े खाता रहा। लंदन अजायबघर भी इसे लेने में दिलचस्पी नहीं रखता। कभी निपुण ब्रिटिश शिल्पियों की हस्तकला का यह नायाब नमूना रहा होगा।

जब शरीर में प्राण थे यह जॉर्ज पंचम अपनी महारानी मैरी के साथ दिसम्बर 1911 में भारतीय उपनिवेश में आये थे। कोहिनूर जो गुलाम भारत से छीन कर ले जाया गया था, ब्रिटिश मुकुट की शोभा बढ़ा रहा था। नयी दिल्ली में राजकीय दरबार लगा। तब दो ऐतिहासिक घो?षणायें हुयीं। बंग भंग (बंगाल का पूर्वी–पश्चिमी भूभाग में विभाजन) वाला निर्णय निरस्त कर फिर से संयुक्त बंगाल बना। भारत की नयी राजधानी कलकत्ता से दिल्ली लायी गयी। इसी राजतिलक के पर्व पर रवीन्द्रनाथ टैगोर ने अपना जानामाना गीत जनगण मन अधिनायक इस गोरे सम्राट के लिये पेश किया था। इस जलसे में प्रत्येक शासक (राजकुमार, महाराजा एवं नवाब) तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति, भारत इस शोषक को अपना सलाम करने पहुंचे। सम्राट–युगल अपनी शाही राजतिलक वेशभूषा में आये थे। सम्राट ने आठ मेहराबों युक्त भारत का इम्पीरियल मुकुट पहना, जिसमें छः हजार एक सौ सत्तर उत्कृष्ट तराशे हीरे थे, जिनके साथ नीलम, पन्ना और माणिक्य जड़े थे। साथ ही एक शनील और मिनिवर टोपी भी थी, जिन सब का भार 965 ग्राम था। फिर वे लाल किले के एक झरोखे में दर्शन के लिये आये, जहां दस लाख से अधिक लोग दर्शन हेतु उपस्थित थे।

दिल्ली दरबार मुकुट के नाम से सम्राज्ञी का एक भव्य मुकुट था। उन्हें पटियाला की महारानी की ओर से गले का खूबसूरत हार भेंट किया गया था। यह भारत की सभी स्त्रियों की ओर से महारानी की पहली भारत यात्रा के स्मारक स्वरूप था। सम्राज्ञी की विशेष आग्रह पर, यह हार, उनकी दरबार की पन्ने युक्त वेशभूषा से मेल खाता बनवाया गया था। 1912 में गेरार्ड कम्पनी ने इस हार में एक छोटा सा बदलाव किया, जिससे कि पूर्व पन्ने का लोलक (पेंडेंट) लगा था। उसके स्थान पर एक दूसरा हटने योग्य हीरे का लोलक लगाया गया। यह एक 8.8 कैरेट का मार्क्यूज़ हीरा था। गरीब भारत की सब संपत्ति थी। दिल्ली दरबार 1911 में लगभग 26,800 पदक दिये गये, जो कि अधिकांशतः ब्रिटिश रेजिमेंट के अधिकारी एवं सैनिकों को मिले थे। भारतीय रजवाड़ों के शासकों और उच्च पदस्थ अधिकारियों को भी एक छोटी संख्या में स्वर्ण पदक दिये गये थे।

किताबों में दर्ज है कि अपनी रियासत के रक्त पिपासु राजेमहाराजे बेगैरत रीति से सम्राट के कृपापात्र बनने की होड़ में रहते थे। सन 1857 के गोरे हत्यारों की मिन्नत में।

अब बारी आ गयी नेताजी की। नेहरु वंश की हर कोशिश, बल्कि साजिश के बावजूद सुभाष चन्द्र बोस को नैसर्गिक अधिकार हासिल हो ही गया। हालांकि बोस की रहस्यात्मक मृत्यु की अभी तक गुत्थी सुलझी नहीं। नेताजी की मृत्यु के विषय में प्रधानमंत्री कार्यालय से सूचना कई बार मांगी गयी, पर कोई भी संतोषजनक जवाब नहीं मिला। जवाहरलाल नेहरु से लेकर मनमोहन सिंह सरकारों से पूछा जा चुका है।

सुभाषचंद्र बोस पर मिली इन अभिलेखागार वाली सूचनाओं पर खुले दिमाग से गौर करने की तलब होनी चाहिए थी। प्रधानमंत्री से राष्ट्र की मांग है। यह भारत के साथ द्रोह और इतिहास के साथ कपट होगा यदि नेहरू युग से चले आ रहे सुभाष के प्रति पूर्वाग्रहों और छलभरी नीतियों से मोदी सरकार के सदस्य और जननायक भी ग्रसित रहेंगे और निष्पक्ष जांच से कतराते रहेंगे। संभव है कि यदि विपरीत प्रमाण मिल गए तो जवाहलाल नेहरू का भारतीय इतिहास में स्थान बदल सकता है, पुनर्मूल्यांकन हो सकता है।

एक खोजपूर्ण दृष्टि तो अब भी डाली जा सकती है। भारत की स्वतंत्रता के प्रारंभिक वर्षों की राजनीतिक स्थिति और संघर्ष के दौरान की घटनाओं का विश्लेषण करें तो पूरा दृश्य कुछ स्पष्ट होता लगेगा। जैसे आजाद भारत के कांग्रेसी नेताओं का सुभाषचंद्र बोस की जीवित वापसी से बड़ा खतरा महसूस करना। यह इस परिवेश में भी समचीन लगता है कि राज्य सत्ता हासिल करने की लिप्सा में तब के राष्ट्रीय कर्णधारों ने राष्ट्रपिता को ही दरकिनार कर जल्दबाजी में देश का विभाजन स्वीकार कर लिया था। फिर वे सत्ता में सुभाष बोस की भागीदारी कैसे बर्दाश्त करते? देश कृतज्ञ है नरेन्द्र मोदी का कि सरदार पटेल के बाद सुभाष बोस को राष्ट्र के समक्ष पेश कर, उनकी भव्य प्रतिमा लगवाकर एक परिवार द्वारा ढाये जुल्म का अंत हो रहा है।

मूर्ति लगाने से नेताजी को न्याय दिलाने की प्रक्रिया की शुरुआत हो गयी है। अब इसका तार्किक अंत भी हो।

सम्पादकीय

केंद्रीय बजट पर चुनाव और महामारी के बादल

तीन कृषि कानूनों को निरस्त करने की जरूरत भी शायद इन चुनावों के मद्देनज़र महसूस की गयी है। बेशक, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि किसानों का एक वर्ष तक चला आंदोलन भी यह निर्णय लेने का एक बड़ा कारण है। तीन कृषि सुधार कानूनों का सबसे ज्यादा विरोध पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में किया गया जहां चुनाव होने वाले हैं इसलिए चुनावी संभावनाओं ने निश्चित रूप से कृषि कानूनों को निरस्त करने के अंतिम निर्णय को प्रभावित किया है।

2021 के केंद्रीय बजट में वित्त मंत्री ने घोषणा की थी कि नए श्रम कानून 1 अप्रैल 2021 से लागू होंगे। ये चार लेबर कोड हैं जो मौजूदा 29 श्रम कानूनों की जगह लेंगे जिससे देश में श्रम बाजार की स्थिति में काफी सुधार होगा। मोदी सरकार द्वारा किया गया यह एक बड़ा आर्थिक सुधार है। ये चार कोड विधेयक के रूप में पहले ही संसद द्वारा अलग-अलग पारित किए जा चुके हैं और चूंकि श्रम एक समवर्ती विषय है इसलिए श्रम मंत्रालय तथा संबंधित राज्य सरकारों द्वारा नियम बनाए जाने के बाद ही प्रभावशील होंगे।

लेकिन केंद्र सरकार ने अभी तक इन नियमों को अधिसूचित नहीं किया है। इसका एक कारण पांच राज्यों की विधानसभाओं के आगामी चुनाव हो सकते हैं। श्रम सुधार तो सबसे अच्छे समय में भी कठिन साबित हो सकते हैं किन्तु जब चुनावों में अत्यंत करीबी संघर्ष हो तो राजनीतिक चुनावी प्रतिस्पर्धा के समय राजनीतिक प्रतिष्ठा को दांव पर क्यों लगाया जाए? नए कोड का एक प्रभाव यह है कि कर्मचारियों के टेक होम वेतन कम हो सकते हैं क्योंकि पेंशन में अधिक भागीदारी को अनिवार्य कर दिया गया है। नियोक्ताओं का हिस्सा भी बढ़ सकता है। एक सुधार यह है कि 300 से कम कर्मचारियों वाली फर्मों को छंटनी के लिए सरकारी अनुमति की जरूरत नहीं है। एक और सुविधा फिक्स्ड टर्म रोजगार की एक नई श्रेणी है जो नियोक्ताओं को श्रमिकों को %स्थायी% बनाने के बोझ से राहत दिलाती है। चूंकि इस तरह के प्रत्येक सुधार से एक ऐसा समुदाय तैयार होगा जो इससे प्रतिकूल रूप से प्रभावित होगा। वह असंतोष का माहौल बना सकता है इसलिए चुनाव संपन्न होने तक यथास्थिति बनाए रखी जानी चाहिए।

तीन कृषि कानूनों को निरस्त करने की जरूरत भी शायद इन चुनावों के मद्देनज़र महसूस की गयी है। बेशक, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि किसानों का एक वर्ष तक चला आंदोलन भी यह निर्णय लेने का एक बड़ा कारण है। तीन कृषि सुधार कानूनों का सबसे ज्यादा विरोध पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में किया गया जहां चुनाव होने वाले हैं इसलिए चुनावी संभावनाओं ने निश्चित रूप से कृषि कानूनों को निरस्त करने के अंतिम निर्णय को प्रभावित किया है।

मार्च 2020 में महामारी राहत के रूप में मुफ्त राशन योजना शुरू की गई थी और अब इसे मार्च 2022 के अंत तक बढ़ा दिया गया है। यह योजना प्रधानमंत्री ग्राम कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेवाई) के अतिरिक्त है जिसमें राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत लगभग 80 करोड़ लोग शामिल हैं। कोविड-19 की पहली लहर के समय इसे लागू किया गया था तथा इसमें प्रति परिवार प्रति माह 5 किलो खाद्यान्न का मुफ्त वितरण आवश्यक था। इसे पहले भी दो बार बढ़ाया जा चुका है। हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने मुफ्त राशन की मात्रा को दोगुना करने तथा इस योजना का विस्तार मार्च 2022 के अंत तक करने की घोषणा की। इसके बाद केंद्र सरकार ने इसका अनुसरण किया तथा यह योजना अब पूरे देश में लागू की गयी है।

नवंबर 2021 में अगले चार महीने के लिए किया गया यह पांचवां विस्तार भी चुनाव को ध्यान में रखकर किया गया प्रतीत होता है। मुफ्त राशन योजना के विस्तार से केन्द्र सरकार पर लगभग 53, 000 करोड़ का बोझ पड़ रहा है जिसमें 1.63 लाख टन खाद्यान्न का अतिरिक्त वितरण किया जाएगा। मार्च 2020 के बाद से दो वर्षों में पीएमजीकेवाई की लागत 260, 000 करोड़ है और इसके तहत 6 करोड़ टन खाद्यान्न वितरित किया जाएगा। यह दुनिया में अब तक की सबसे बड़ी मुफ्त खाद्यान्न वितरण योजना है। इस वित्त वर्ष के दौरान सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 10 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। मुफ्त खाद्य योजना को कल्याणकारी योजना के दृष्टिकोण से जारी रखना तो जरूरी है पर इस बात की भी पुष्टि होती है कि चुनावी संभावनाओं के मद्देनजर भी यह योजना शुरू रखी गयी है।

इसलिए हम श्रम कानूनों में नए सुधारों के नियमों को अधिसूचित करने में देरी या कृषि कानूनों को निरस्त करना अथवा पीएमजीकेवाई के उदार विस्तार के पीछे राजनीतिक तथा चुनावी दृष्टिकोण को देख सकते हैं। यहां तक कि पिछले बजट में घोषित परिसंपत्ति मुद्रीकीकरण की पहल भी राजनीतिक प्रतिरोध के कारण धीमी रही है। निजीकरण के विरोध में बैंक यूनियनें भी अपनी आवाजें उठा रहीं हैं। दो और घटक भी मैदान में हैं। पहली, तथाकथित ओमिक्रॉन-चरण के रूप में कोविड-19 महामारी की तीसरी लहर है। यह बहुत अधिक संक्रामक और एक तेजी से प्रसारित होने वाली लेकिन कम शक्तिशाली होने तथा इसमें मृत्यु दर कम रहने की संभावना है, किन्तु इसने अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक, दोपहिया वाहनों की बिक्री, खुदरा क्षेत्र में उपभोक्ता खर्च, शहरी बेरोजगारी आदि जैसे आर्थिक आंकड़ों में बड़ी मंदी साफ झलक रही है।

वर्तमान युवा पीढ़ी में सुभाष चंद्र बोस की प्रासंगिकता

प्रशान्त त्रिपाठी
(अधिवक्ता-दिल्ली)उप-सचिव भारतीय मानवाधिकार।

निज जीवन से देश बड़ा होता है,हम मिटते हैं तब देश खड़ा होता है।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस एक उग्र राष्ट्रवादी थे, जिनकी उद्दंड देशभक्ति ने उन्हें भारतीय इतिहास के सबसे महान स्वतंत्रता सेनानियों में से एक बना दिया। उन्हें भारतीय सेना को ब्रिटिश भारतीय सेना से एक अलग इकाई के रूप में स्थापित करने का श्रेय भी दिया गया जिसने स्वतंत्रता संग्राम को आगे बढ़ाने में मदद की।आजादी की बात हो और नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जिक्र ना हो, ऐसा भला हो सकता है क्या, सुभाष चंद्र बोस केवल एक इंसान का नाम नहीं है बल्कि ये नाम है उस वीर का, जिनकी रगों में केवल देशभक्ति का खून बहता था। बोस भारत मां के उन वीर सपूतों में से एक हैं, जिनका कर्ज आजाद भारतवासी कभी नहीं चुका सकते हैं।ऐसे महान् सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी, 1897 को उड़ीसा के कटक शहर में हुआ था। उनकी माता का नाम प्रभावती दत्त बोस् और पिता का नाम जानकीनाथ बोस् था।अपनी शुरुआती स्कूली शिक्षा के बाद उन्होंने रेवेनशॉ कॉलेजिएट स्कूल में दाखिला लिया उसके बाद उन्होंने प्रेसीडेंसी कॉलेज कोलकाता में प्रवेश लिया परंतु उनकी उग्र राष्ट्रवादी गतिविधियों के कारण उन्हें वहाँ से निष्कासित कर दिया गया। इसके बाद वे इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिये कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय चले गए।अपने छात्र जीवन से ही स्वामी विवेकानंद से प्रभावित रहे सुभाष चंद्र बोस ने समय-समय पर विवेकानंद और रामकृष्ण परमहंस की शिक्षाओं पर चलने का आग्रह किया था और धर्म और स्वदेश रक्षा का स्वामी जी का सूत्र अपनाया था।इन्होंने भारतीय प्रशासनिक सेवा के लिए 1920 में आवेदन किया और इस परीक्षा में चौथा स्थान हासिल किया। लेकिन भारत मां के इस दुलारे बेटे ने जब जलियावाला बाग वाला नरसंहार देखा तो इनका मन व्यथित हो गया और इन्होंने 1921 में प्रशासनिक सेवा से इस्तीफा दे दिया क्योंकि उनका मानना था कि वह अंग्रेज़ों के साथ कार्य नहीं कर सकते।इसके बाद बोस महात्मा गांधी जी के संपर्क में आए और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हुए। गांधी जी के निर्देशानुसार उन्होंने देशबंधु चितरंजन दास के साथ काम करना शुरू किया। 1928 में जब साइमन कमीशन आया तब कांग्रेस ने इसका विरोध किया। 1928 में कांग्रेस का वार्षिक अधिवेशन मोतीलाल नेहरू की अध्यक्षता में कोलकाता में हुआ। उस दौरान गांधी जी पूर्ण स्वराज की मांग से सहमत नहीं थे, वहीं सुभाष को और जवाहर लाल नेहरू को पूर्ण स्वराज की मांग से पीछे हटना मंजूर नहीं था। अन्त में यह तय किया गया कि अंग्रेज सरकार को डोमिनियन स्टेटस देने के लिये एक साल का वक्त दिया जाये। अगर एक साल में अंग्रेज सरकार ने यह मांग पूरी नहीं की तो कांग्रेस पूर्ण स्वराज की मांग करेगी। परन्तु अंग्रेज़ सरकार ने यह मांग पूरी नहीं की इसलिये 1930 में जब कांग्रेस का वार्षिक अधिवेशन जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में लाहौर में हुआ और वहां तय किया गया कि 26 जनवरी का दिन स्वतन्त्रता दिवस के रूप में मनाया जाएगा।सुभाष चंद्र बोस, विवेकानंद की शिक्षाओं से अत्यधिक प्रभावित थे और उन्हें अपना आध्यात्मिक गुरु मानते थे, जबकि चितरंजन दास उनके राजनीतिक गुरु थे।वर्ष 1921 में बोस ने चित्तरंजन दास की स्वराज पार्टी द्वारा प्रकाशित समाचार पत्र फॉरवर्ड के संपादन का कार्यभार संभाला।वर्ष 1923 में बोस को अखिल भारतीय युवा कॉन्ग्रेस का अध्यक्ष और साथ ही बंगाल राज्य कॉन्ग्रेस का सचिव चुना गया।वर्ष 1925 में क्रांतिकारी आंदोलनों से संबंधित होने के कारण उन्हें माण्डले कारागार में भेज दिया गया जहाँ वह तपेदिक की बीमारी से ग्रसित हो गए।ट्रेड यूनियन आंदोलन् उन्होंने युवाओं को संगठित किया और ट्रेड यूनियन आंदोलन को बढ़ावा दिया। वर्ष 1930 में उन्हें कलकत्ता का मेयर चुना गया, उसी वर्ष उन्हें अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कॉन्ग्रेस (All India Trade Union Congress- AITUC) का अध्यक्ष भी चुना गया।26 जनवरी 1931 को कोलकाता में राष्ट्र ध्वज फहराकर सुभाष एक विशाल मोर्चे का नेतृत्व कर रहे थे तभी पुलिस ने उन पर लाठी चलायी और उन्हें घायल कर जेल भेज दिया। जब सुभाष जेल में थे तब गांधी जी ने अंग्रेज सरकार से समझौता किया और सब कैदियों को रिहा करवा दिया। लेकिन अंग्रेज सरकार ने भगत सिंह जैसे क्रान्तिकारियों को रिहा करने से साफ इंकार कर दिया। सुभाष चाहते थे कि इस विषय पर गांधीजी अंग्रेज सरकार के साथ किया गया समझौता तोड़ दें। लेकिन गांधीजी अपनी ओर से दिया गया वचन तोड़ने को राजी नहीं थे। अंग्रेज सरकार अपने स्थान पर अड़ी रही और भगत सिंह व उनके साथियों को फांसी दे दी गयी। भगत सिंह को न बचा पाने पर सुभाष बोस गांधी जी और कांग्रेस से नाराज हो गए। उन्हें अपने क्रांतिकारी जीवन में 11 बार जेल जाना पड़ा था।उन्होंने बिना शर्त स्वराज (Unqualified Swaraj) अर्थात् स्वतंत्रता का समर्थन किया और मोतीलाल नेहरू रिपोर्ट (Motilal Nehru Report) का विरोध किया जिसमें भारत के लिये डोमिनियन के दर्जे की बात कही गई थी।उन्होंने वर्ष 1930 के नमक सत्याग्रह में सक्रिय रूप से भाग लिया और वर्ष 1931 में सविनय अवज्ञा आंदोलन के निलंबन तथा गांधी-इरविन समझौते पर हस्ताक्षर करने का विरोध किया।वर्ष 1930 के दशक में वह जवाहरलाल नेहरू और एम.एन. रॉय के साथ कॉन्ग्रेस की वाम राजनीति में संलग्न रहे।वाम समूह के प्रयास के कारण कॉन्ग्रेस ने वर्ष् 1931 में कराची में दूरगामी कट्टरपंथी प्रस्ताव पारित किये, जिसने मुख्य कांग्रेस लक्ष्य को मौलिक अधिकारों की गारंटी देने के अलावा उत्पादन के साधनों के समाजीकरण के रूप में घोषित किया।

सुभाष को जल्द ही बंगाल अधिनियम के अंतर्गत दोबारा जेल में डाल दिया गया। इस दौरान उनको करीब एक साल तक जेल में रहना पड़ा और बाद में बीमारी की वजह से उनको जेल से रिहाई मिली। उनको

भारत से यूरोप भेज दिया गया। वहां उन्होंने, भारत और यूरोप के मध्य राजनैतिक और सांकृतिक संबंधों को बढ़ाने के लिए कई शहरों में केंद्र स्थापित किये, उनके भारत आने पर पाबंदी होने बावजूद वो भारत आए और परिणामतः उन्हें 1 साल के लिए जेल जाना पड़ा । 1937 के चुनावों के बाद कांग्रेस पार्टी 7 राज्यों में सत्ता में आई और इसके बाद सुभाष को रिहा किया गया7 इसके कुछ समय बाद सुभाष कांग्रेस के हरिपुरा अधिवेशन (1938) में अध्यक्ष चुने गए, अपने कार्यकाल के दौरान सुभाष ने %राष्ट्रीय योजना समिति% का गठन किया। 1939 के त्रिपुरी अधिवेशन में सुभाष को दोबारा अध्यक्ष चुन लिया गया, इस बार सुभाष का मुकाबला पट्टाभि सीतारमैया से था। सीतारमैया को गांधीजी का पूर्ण समर्थन प्राप्त था फिर भी 203 मतों से सुभाष चुनाव जीत गए। लेकिन गांधी जी ने पट्टाभि सीतारमैय्या की हार को अपनी हार बताकर अपने साथियों से कह दिया कि अगर वें सुभाष के तरीकों से सहमत नहीं हैं तो वें कांग्रेस से हट सकतें हैं। इसके बाद कांग्रेस कार्यकारिणी के 14 में से 12 सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया।1939 का वार्षिक कांग्रेस अधिवेशन त्रिपुरी में हुआ। इस अधिवेशन के समय सुभाषबाबू तेज बुखार से इतने बीमार हो गये थे कि उन्हें स्ट्रेचर पर लिटाकर अधिवेशन में लाना पड़ा। गांधी स्वयं भी इस अधिवेशन में उपस्थित नहीं रहे और उनके साथियों ने भी सुभाष को कोई सहयोग नहीं दिया। अधिवेशन के बाद सुभाष ने समझौते के लिए बहुत कोशिश की लेकिन गांधी और उनके साथियों ने उनकी एक न मानी। परिस्थिति ऐसी बन गयी कि सुभाष कुछ काम ही न कर पाये। आखिर में तंग आकर 29 अप्रैल 1939 को सुभाष ने कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया।

3 मई 1939 को सुभाष ने कांग्रेस के अन्दर ही फॉरवर्ड ब्लॉक के नाम से अपनी पार्टी की स्थापना की। कुछ दिन बाद सुभाष को कांग्रेस से ही निकाल दिया गया। बाद में फॉरवर्ड ब्लॉक अपने आप एक स्वतन्त्र पार्टी बन गयी। द्वितीय विश्वयुद्ध शुरू होने से पहले से ही फॉरवर्ड ब्लॉक ने स्वतन्त्रता संग्राम को और अधिक तीव्र करने के लिये जन जागृति शुरू की। फॉरवर्ड ब्लॉक के सभी मुख्य नेताओं को कैद कर लिया गया। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान सुभाष जेल में निष्क्रिय रहना नहीं चाहते थे। सरकार को उन्हें रिहा करने पर मजबूर करने के लिये सुभाष ने जेल में आमरण अनशन शुरू कर दिया। हालत खराब होते ही सरकार ने उन्हें रिहा कर दिया। मगर अंग्रेज सरकार यह भी नहीं चाहती थी कि सुभाष युद्ध के दौरान मुक्त रहें। इसलिये सरकार ने उन्हें उनके ही घर पर नजरबन्द कर लिया गया।जनवरी 1941 में सुभाष अपने घर से भागने में सफल हो गए और अफगानिस्तान के रास्ते जर्मनी पहुंच गए। उन्होंने ब्रिटिश राज को भारत से निकालने के लिए जर्मनी और जापान से मदद की गुहार लगायी। जनवरी 1942 में उन्होंने रेडियो बर्लिन से प्रसारण करना शुरू किया जिससे भारत के लोगों में उत्साह बढ़ा। वर्ष 1943 में वो जर्मनी से सिंगापुर आए। पूर्वी एशिया पहुंचकर उन्होंने रास बिहारी बोस से स्वतंत्रता आन्दोलन का कमान लिया और आजाद हिंद फौज का गठन किया और नारा दिया था कि तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा। इसके बाद सुभाष को नेताजी कहा जाने लगा।

भारतीय राष्ट्रीय सेना् वह जुलाई 1943 में जर्मनी से जापान-नियंत्रित सिंगापुर पहुँचे वहाँ से उन्होंने अपना प्रसिद्ध नारा 'दिल्ली चलो' जारी किया और 21 अक्तूबर, 1943 को आज़ाद हिंद सरकार तथा भारतीय राष्ट्रीय सेना के गठन की घोषणा की। ढ्ढ्ढ का गठन पहली बार मोहन सिंह् और जापानी मेजर इविची फुजिवारा के नेतृत्त्व में किया गया था तथा इसमें मलायन (वर्तमान मलेशिया) अभियान में सिंगापुर में जापान द्वारा कब्जा किये गए ब्रिटिश-भारतीय सेना के युद्ध के भारतीय कैदियों को शामिल किया गया था।ढ्ढ्ढ में सिंगापुर के जेल में बंद भारतीय कैदी और दक्षिण-पूर्व एशिया के भारतीय नागरिक दोनों शामिल थे। इसकी सैन्य संख्या् बढ़कर 50,000 हो गई ढ्ढ्ढ ने वर्ष 1944 में इम्फाल और बर्मा में भारत की सीमा के भीतर संबद्ध सेनाओं का मुकाबला किया।हालाँकि रंगून के पतन के साथ ही आजाद हिंद सरकार एक प्रभावी राजनीतिक इकाई बन गई।नवंबर 1945 में ब्रिटिश सरकार द्वारा ढ्ढ्ढ के लोगों पर मुकदमा चलाए जाने के तुरंत बाद पूरे देश में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए।

भारतीय राष्ट्रीय सेना के अनुभव ने वर्ष 1945-46 के दौरान ब्रिटिश भारतीय सेना में असंतोष की लहर पैदा की, जिसकी परिणति फरवरी 1946 में बॉम्बे के नौसैनिक विद्रोह के रूप में हुई जिसने ब्रिटिश सरकार को जल्द-से-जल्द भारत छोड़ने के लिये मजबूर कर दिया।भारतीय राष्ट्रीय सेना के संरचना की बात की जाए तो् अनिवार्य रूप से गैर-सांप्रदायिक संगठन था, क्योंकि इसके अधिकारियों और रैंकों में मुस्लिम काफी संख्या में थे और इसने झांसी की रानी के नाम पर एक महिला टुकड़ी की भी शुरुआत की।

बताते चलें सुभाष चंद्र बोस के जीवन मे स्वामी विवेकानंद का महत्वपूर्ण स्थान था। 8 जनवरी, 1913 को अपने मझले भाई के नाम पत्र में उन्होंने लिखा था-''भारतवर्ष की कैसी दशा थी और अब कैसी हो गई है? कितना शोचनीय परिवर्तन है। कहां हैं वे परम ज्ञानी, महर्षि, दार्शनिक? कहां हैं हमारे वे पूर्वज, जिन्होंने ज्ञान की सीमा का स्पर्श कर लिया था? सब कुछ समाप्त हो गया। अब वेदमंत्रों का उच्चारण नहीं होता। पावन गंगातट पर अब मंत्र नहीं गूंजते, परंतु हमें अब भी आशा है कि हमारे हृदय से अंधकार को दूर करने और अनंत ज्योतिशिखा प्रज्जवलित करने के लिए आशादूत अवतरित हो गए हैं। वे हैं- विवेकानंद। वे दिव्य कांति और मर्मवेधी दृष्टि से युक्त हो संन्यासी के वेश में विश्व में हिन्दू धर्म का प्रचार करने के लिए ही आए।अब भारत का भविष्य निश्चित ही उज्ज्वल है।'

परंतु धर्म और सेवा में अपनी इस रुचि के बावजूद सुभाष बाबू ने अपने अध्ययन में उपेक्षा नहीं दिखाई थी। 1913 में् मैट्रिकुलेशन का परीक्षाफल निकलने पर पता चला कि कोलकाता विश्वविद्यालय के अंतर्गत बैठने वाले दस हजार विद्यार्थियों में कटक के सुभाषचंद्र बोस ने दूसरा स्थान प्राप्त किया था।

अब उच्चतर शिक्षा के लिए सुभाष को कटक से कोलकाता भेजा गया। साढ़े सोलह साल के इस तरुण ने वहां आते ही अपना भावी कार्यक्रम तय कर लिया- ''मैं दर्शनशास्त्र का गहन अध्ययन करूंगा, जिससे मैं जीवन की मूलभूत समस्या का समाधान प्राप्त कर सकूं, व्यावहारिक जीवन में जहां तक संभव हो, रामकृष्ण और विवेकानंद के पदचिन्हों पर चलूंगा। और चाहे कुछ भी हो, मैं सांसारिकता की ओर नहीं जाऊंगा।'' वे आगे लिखते हैं-''यह दृष्टिकोण लेकर मैंने अपने जीवन के अध्याय का श्रीगणेश किया।''

'समाज-सेवा से उनका तात्पर्य अस्पताल या दातव्य चिकित्सालय स्थापित करना नहीं था, जैसा कि स्वामी विवेकानंद के शिष्य किया करते थे, बल्कि मुख्यत~ शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय पुनर्निर्माण था। अत~ हमें नव-विवेकानंद टोली कहा जा सकता था। और हमारा मुख्य उद्देश्य था धर्म और राष्ट्रीयता का न केवल सैद्धांतिक रूप में बल्कि वास्तविक जीवन में भी समन्वय।'

'जिसे कृपा मिलती है, उसका जीवन ही बदल जाता है। मुझे भी कृपा का आभास मिला है, इसीलिए तो देश के कार्य हेतु जीवन देकर इसे सार्थक कर देना चाहता हूं। तुम्हें यह भी बता दूं कि इन्हीं राखाल महाराज (स्वामी ब्रह्मानंद) ने मुझे काशी में यह कहकर वापस लौटा दिया था कि तुझे देश का काम करना है।'

क्रांतिकारी नरेन्द्र नारायण चक्रवर्ती ने अपने जीवन का बारह वर्ष से अधिक का काल जेलों में बिताया था। स्वामी ब्रह्मानंद से उन्हें भावी जीवन के बारे में पथ प्रदर्शक मिला था। सुभाष जब सद्गुरु की तलाश में उत्तर भारत के विभिन्न स्थानों का भ्रमण करते हुए काशीधाम आये थे। तभी उनकी भेंट स्वामी विवेकानंद से हुई थी और उन्होंने कहा कि गुरु वह है जो तुम्हारे भूत और भविष्य को जान ले। 3 अक्तूबर, 1914 दक्षिणेश्वर के काली मंदिर का एक चित्र स्मरण हो आता है। कमलासन पर विराजने वाली मां काली खड्ग हाथ में लिए शिव के आसन पर खड़ी उनके आगे एक बालक है।

20 सितम्बर 1915 को वे लिखते हैं- ''शारीरिक स्थिति को देखकर तो विश्वास नहीं होता कि जीवन में मैं कुछ भी कर सकूंगा। विवेकानंद की सभी बातें सत्य हैं। लोहे के समान सुदृढ़ नाड़ियां और श्रेष्ठ प्रतिभाशाली मस्तिष्क यदि तुम्हारे पास है तो संपूर्ण विश्व तुम्हारे कदमों में झुकेगा।''

एक ओर ब्रह्मानंद की बात स्मरण हो जाती है तो दूसरी ओर है पाश्चात्य आदर्श, जो कर्मठता को ही जीवन मानता है। एक ओर मौन और शांतिपूर्ण जीवन जीने वाला एक आत्मदर्शी योगी है, जिसने जगत की साधारणता का अनुभव कर लिया और दूसरी ओर पश्चिम वालों की विशाल प्रयोगशालाएं, उनका विज्ञान दर्शन, उनके द्वारा आविष्कृत और प्रकट की गयी अद्भुत ज्ञान राशि।

18 जून 1928 को कोलकाता के अल्बर्ट हॉल में अखिल भारतीय बंग समिति द्वारा आयोजित सभा में सुभाष बाबू ने कहा-

''एक के साथ बहुत्व का समन्वय यह बंगाल का वैशिष्ट्य है। वास्तविक सत्य को अस्वीकार करने से काम नहीं चलेगा। परमहंस रामकृष्ण व स्वामी विवेकानंद ने कहा कि मनुष्य असत्य से सत्य की ओर अग्रसर नहीं होता, वह उच्च सत्य से उच्चतर सत्य की ओर पहुंचता है। सत्य के किसी भी अवसर को वह अस्वीकार नहीं करता। जैसे एक सत्य है वैसे बहुत्व भी सत्य है। एकत्व के साथ बहुत्व का मिलाप यही साधक की साधना है।''

फरवरी 1929 में पावना युवा सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने कहा- ''बहुतों की धारणा है कि जन साधारण या तरुण समाज को जगाने के लिए राष्ट्र या समाज संबंधी मतवादों का प्रचार अनिवार्य है।''

प्रत्येक मतवाद के कट्टर भक्तों का मत है कि उनके मतवाद की स्थापना हो जाने पर जगत के सारे दुख-दर्द दूर हो जाएंगे। पर मुझे ऐसा लगता है कि कोई भी मतवाद हमारा तब तक उद्धार नहीं कर सकता जब तक कि हम स्वयं ही मनुष्योचित चरित्र बल प्राप्त न कर लें। इसीलिए स्वामी विवेकानंद जी ने कहा-मनुष्य निर्माण करना ही मेरे जीवन का उद्देश्य है। उन्होंने अपनी कविता की चार पंक्तियां उद्धृत की थीं, जिनका भावार्थ है-

'अपार संग्राम ही मां काली की पूजा है। सदा पराजय मिले तो भी भयभीत न होना, भले हृदय श्मशान बन जाये और उस पर श्यामा नृत्य करती हो।'

21 जुलाई, 1929 को हुबली में छात्र सम्मेलन के भाषण के दौरान मानो संस्मरणात्मक मनोभाव से कहा-पंद्रह वर्ष पूर्व जो आदर्श बंगाल वस्तुत~ पूरे देश छात्रों में अनुप्रमाणित किया करता था, वह विवेकानंद का आदर्श था। आध्यात्मिक शक्ति के बल पर शुद्ध-प्रबुद्ध जीवन के प्रति वे कटिबद्ध थे। इसलिए स्वामी विवेकानंद ने कहा-मनुष्य निर्माण करना ही मेरे जीवन का उद्देश्य है। पर व्यक्तित्व विकास पर जोर देते हुए स्वामी जी राष्ट्र को बिल्कुल नहीं भूले थे। कार्य रहित संन्यास या पुरुषार्थहीन भाग्यवाद पर उनकी आस्था नहीं थी।राजा राममोहन राय के युग में विभिन्न आंदोलनों के जरिए भारत की मुक्ति कामना धीरे-धीरे प्रकट हुई। उन्नीसवीं शताब्दी के अंतर्गत स्वाधीनता के अखंड रूप का आभास रामकृष्ण-विवेकानंद के भीतर झलकता था-'स्वतंत्रता मिट्टी का गीत है।' यह संदेश जब स्वामी जी के हृदय से निकला तब उन्होंने समग्र देशवासियों को मुग्ध और उन्मत्त कर दिया।

10 जनवरी, 1931 को बेलूर मठ के प्रांगण में गंगा तट पर शाम को आम सभा में मठ से आमंत्रण पाकर कोलकता के महापौर के रूप में सुभाष बाबू ने कहा- विवेकानंद जी की बहुमुखी प्रतिभा की व्याख्या करना कठिन है। मेरे समय का छात्र समुदाय स्वामी जी की रचनाओं और व्याख्यानों से जैसा प्रभावित होता था वैसा किसी और से प्रभावित नहीं होता था।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail:gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

कर्नाटक विधायक एस.ए.रामदास की समाज कल्याण पहल है देश के विधायको के लिए आदर्श मॉडल

कर्नाटक । केंद्र सरकार के ÷समर्थ भारत÷ अभियान को आगे बढ़ाते हुए। कर्नाटक के मैसूर में कृष्णाराजा सीट से बीजेपी विधायक एस.ए. रामदास ने अपने विधानसभा क्षेत्र में मजबूत कर्नाटक रोजगार सृजन मेला के बैनर तले पांच दिवसीय रोजगार पंजीकरण अभियान की शुरुआत की। इस आयोजन के लिए कृष्णाराजा विधानसभा क्षेत्र के कई वार्डों को चुना गया एवं कार्यक्रम का आयोजन 4 से 8 जनवरी तक आयोजित हुआ।पांच दिन तक चले इस शानदार आयोजन में 8 वीं कक्षा से ऊपर के लोग , कॉलेज के विद्यार्थी, स्कूल या कॉलेज बीच में छोड़ने वाले विद्यार्थी, किसी भी तरह का डिप्लोमा हासिल करने वाले छात्र, और काम की तालाश कर रही महिलाएं आदि सभी लोग रोजगार सृजन मेला में पंजीकरण कराने के लिए भारी संख्यां में शामिल हुए।

इस विशेष अभियान की शुरुआत करने का मकसद लोगों को रोजगार दिलाना और कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से दुसरो के लिए रोजगार पैदा करने वाला बनाना था। इस रोजगार मेले में युवाओं को जानकारी दी गई कि किस तरह से इन्फोर्मेशन और सर्विसेज का विस्तार किया जाता है। कौशल प्रशिक्षण देने के लिए शिक्षा, उद्योग, कौशल विकास , श्रम विभाग , सहकारिता विभाग, पर्यटन, पशुपालन , शहरी विकास , स्वास्थ्य और केंद्र सरकार की मुख्य परियोजनाओं से जुड़े विभागों को रोजगार सृजन मेला के मंच पर शामिल किया गया। इसके अलावा छोटे पैमाने के नियोक्ताओं , संगठित क्षेत्र के कार्मिको और सभी श्री शक्ति यूनियनों के द्वारा रोजगार और रोजगार सृजन से जुड़ी प्रदर्शनी लगाई गई। कुल मिला कर इस आयोजन में 30 स्टाल और 40 से अधिक निजी एवं सरकारी कम्पनियों ने भाग लिया।

वार्ड स्तर पर समाज कल्याण के लिए क्षेत्रीय विधायक की एक अनोखी पहल

कृष्णाराजा क्षेत्र में विधायक एस.ए. रामदास द्वारा चलाए गए इस रोजगार कार्यक्रम की संकल्पना बिलकुल नई थी। इससे पहले भी काई राज्य सरकारों के द्वारा रोजगार कार्यक्रम चालाये गए है लेकिन उन सभी कार्यक्रमों में योग्यता सम्बंधित दिक्कतों के कारण कुछ लोगों को ऐसे कार्यक्रमों का लाभ नही होता। इस तरह के कार्यक्रम ज्यादातर राज्य सरकार के बड़े मंत्रालयों द्वारा आयोजित किये जाते है। कृष्णाराजा क्षेत्र में शुरू हुआ रोजगार सृजन मेला विधायक स्तर पर शुरू की गई एक प्रेरणादायक पहल है। इस तरह का आयोजन किसी विधानसभा क्षेत्र में आसानी से नही होता। कार्यक्रम को सही दिशा देने के लिए पहले ही योजना बना कर इसे आयोजित किया गया। कई वार्डों को चुना गया और उन सभी वार्डों में कैम्प लगाकर वार्ड के निवासियों ने रोजगार से जुड़े अभियान के लिए अपना पंजीकरण करवाया। पंजीकरण के लिए आयु सीमा 18 से 40 वर्ष रखी गई और पंजीकरण करने का समय 5 दिनों तक सुबह 9 बजे से 5 बजे तक का तय किया गया।

कृष्णाराजा क्षेत्र वार्डो में लगे रोजगार कैम्प की जानकारी

4 जनवरी को वार्ड संख्या 50-53 में गन हाउस सर्कल के पास विद्याशंकर कल्याण कैम्प

5 जनवरी को वार्ड संख्या 49 और 54 से 56 में विद्यारण्यपुरम वोक्कालिगारा कल्याण कैम्प

6 जनवरी को वार्ड संख्या 60 से 63 में स्टर्लिंग थिएटर के पास नित्यानंद कल्याण कैम्प

7 जनवरी को वार्ड संख्या 59, 64 और 65 में श्रीरामपुरा में भ्रामराम्बा कल्याण कैम्प

8 जनवरी को वार्ड संख्या 43, 47, 48 और 57 में कुवेम्पुनगर के उदयरवी रोड पर सम्राट कल्याण कैम्प

सामाजिक कल्याण के प्रयास की हो रही हर तरफ प्रशंसा

कर्नाटक में कृष्णाराजा से बीजेपी विधायक एस.ए.रामदास लागातार समाजिक कल्याण के कार्यो में लगे रहते है तथा सामाजिक विकास के मुद्दे पर खुलकर अपनी बात रखते है। वह लोगो के बीच में जाकर उनकी समस्याओं को सुनते है और उन लोगों को हर संभव मदद करने के प्रयास करते है। रामदास साधारण जीवन शैली में विश्वास करते है और अपने आप को राजनेता के बजाये समाजसेवी के रूप में देखते है। पिछले साल आजादी के 75 वर्ष पूरा होने और प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के अवसर पर ÷मोदी युग उत्सव कार्यक्रम का भी आयोजन उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र में कराया गया था। उस आयोजन में भी 25000 से ज्यादा युवाओं ने भाग लिया था। मोदी युग उत्सव में भी केंद्र सरकार द्वारा चालाई गयी कई सरकारी योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाने के लिए घर-घर जाकर योजनाओं के लिए लोगों को जागरूक करने का काम किया गया और कई लोगों को इन योजनाओं के लाभ भी मिले। पिछले साल भी उनके कार्यक्रम काफी सफल हुए थे और इस साल की शुरुआत में भी उन्होंने बेरोजगारों को नव वर्ष का तोहफा देने के लिए रोजगार सृजन मेले का आयोजन सफलतापूर्वक करवाया। उनके इस सामाजिक भागेदारी की प्रशंसा कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई समेत कई क्षेत्रीय मंत्रियों ने भी की। प्रशंसा करते हुए सभी ने प्रशंसकों ने एस.ए. रामदास के जन कल्याण कार्य को अन्य विधानसभा क्षेत्रों के विधायकों के लिए प्रेरणादायक बाताया साथ ही इस पहल को विधानसभा क्षेत्र में मॉडल की परिभाषा दी।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने एसए रामदास की तारीफ़ में कहा

क्षेत्र में किस तरह सेवा और समर्पण का काम किया गया वह तारीफ़ योग्य है। एक-एक योजनाएं चाहे वह गरीब कल्याण की योजनाएं हो, समाज कल्याण की योजनाएं हो, प्रधानमंत्री आवास की योजना हो, जनधन की योजना हो, स्ट-स्ज से जुडी योजना हो , योजनाओं की जागरूकता के लिए कैम्प लगाकर क्षेत्र के लोगों की पूरी तरह मदद कि गई। क्षेत्र के कई मंत्री रामदास जी के कार्यक्रमों में यह देखने के लिए गए कि गरीब कल्याण के लिए किस प्रकार से मदद की जाए हर स्कीम का लाभ गरीब तक कैसे पहुंचे।

एडीजी बरेली जोन राजकुमार तथा जिलाधिकारी उमेश मिश्रा द्वारा कलेक्ट्रेट स्थित विधानसभावार नामांकन कक्षों का किया गया निरीक्षण

■ बिजनौर

एडीजी बरेली जोन राजकुमार तथा जिलाधिकारी उमेश मिश्रा द्वारा आज विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 को स्वतंत्र, निष्पक्ष, भयमुक्त एवं सुरक्षित रूप से सम्पन्न कराने के लिए कलेक्ट्रेट स्थित विधानसभावार नामांकन केन्द्रों का निरीक्षण किया और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस अवसर पर उन्होंने निर्देश दिए कि सम्पूर्ण प्रक्रिया कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के साथ सम्पन्न कराएं और कोई भी अनावश्यक व्यक्ति सुरक्षा चक्र को तोड़ कर अन्दर न आने पाए। उन्होंने निर्देश दिए कि नामांकन कराने के लिए आने वाले प्रत्याशियों को बैरियर पर रोकें और कलैक्ट्रेट द्वार से नामांकन स्थल तक प्रत्याशी के साथ केवल दो व्यक्ति ही प्रवेश करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि सम्पूर्ण चुनाव प्रक्रिया भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुपालन में सम्पन्न कराएं ताकि किसी त्रुटि की संभावना न रहने पाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि पूरी चुनाव प्रक्रिया के दौरान सभी पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी कोविड प्रोटोकॉल का शत प्रतिशत रूप से पालन सुनिश्चित करें, ताकि वे स्वयं भी कोरोना संक्रमण से सुरक्षित रह सकें। जिलाधिकारी श्री मिश्रा द्वारा इस अवसर पर एडीजी को आशवस्त करते हुए कहा कि सभी विधान सभाओं के नामांकन कक्षों में आयोग के निर्देशों के अनुपालन में स्थापित किए गए हैं और सुरक्षा के सभी मानकों को दृष्टिगत रखते हुए कार्यवाही की गई है।

एडीजी राजकुमार निरीक्षण से पूर्व कार्यों व कोरोना की तैयारियों की समीक्षा की गई। उन्होने पुलिस अधिकारियों को जिले में कड़ाई के साथ आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने तथा अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डा0 धर्मवीर सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन विनय कुमार सिंह, एएसपी सिटी डा. प्रवीन रंजन सिंह, एएसपी देहात रामअर्ज, एएसपी पूर्वी ओमवीर सिंह, सीओ सिटी कुलदीप गुप्ता, सीओ नगीना सुमित शुक्ला आदि मौजूद रहे।

गौवंश पालन के लिए दी जाने वाली राशि बकाया न रहे : सीएम योगी

■ लखनऊ

कोविड से बचाव के इंतजाम, शीतलहर और ओलावृष्टि की स्थिति में जिलों की व्यवस्थाओं की पड़ताल के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आला अधिकारियों को शुक्रवार की टीम-9 की उच्चस्तरीय बैठक में निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने निराश्रित गो-आश्रय स्थलों में ठंड से बचाव किए जाएं और चारे की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सहभागिता योजना और कुपोषित बच्चे वाले परिवारों को गोवंश पालन के लिए दी जाने वाली मासिक 900 की राशि बकाया न रहे। उन्होंने अधिकारियों से इसकी समीक्षा करते हुए समय से भुगतान करने के निर्देश दिए।उन्होंने अस्पतालों, गौशालाओं व रैन बसेरों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि शीतलहर और कोविड को देखते हुए असहाय, निराश्रित लोगों, अकेले रह रहे बुजुर्ग जनों, दिव्यांगजनों पर विशेष ध्यान दिया जाए। रैन बसेरों में समुचित प्रबंध रखे जाएं। पुलिस, राजस्व और नगर विकास और स्वास्थ्य विभाग की टीम इनके इलाज, भोजन की व्यवस्था करें। इनमें अगर संक्रमण की पुष्टि हो तो अतिरिक्त संवेदनशीलता का भाव रखा जाए।

सीएम ने अधिकारियों को आदेश देते हुए कहा कि मुफ्त खाद्यान्न वितरण का कार्य प्रदेश में सुचारु रखा जाए। एक भी पात्र व्यक्ति राशन से वंचित न रहे। रैन बसेरों में मुसाफिरों, निराश्रितों की सुविधाओं और जरूरतों की पूरी व्यवस्था करें। सीएम ने कहा कि जिलों में कोविड ट्रेसिंग, टेस्टिंग, टीकाकरण, अस्पतालों की व्यवस्था, गौशालाओं के प्रबंधन, रैन बसेरों के इंतजाम आदि का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को दुरुस्त कराएं। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि जनपदों में इंटीग्रेटेड कोविड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) को 24म7 एक्टिव रखा जाए। कोरोना की पहली और दूसरी लहर की तरह ही वहां नियमित बैठकें आयोजित की जाएं। आईसीसीसी में विशेषज्ञ चिकित्सकों का पैनल मौजूद रहे।

झूठे वादों के बिस्तर पर सत्ता का सपना देख रहा है विपक्षः दिनेश शर्मा

■ लखनऊ

पुरानी पेंशन योजना को लागू करने के सपा सुप्रीमो के चुनावी वादे पर उप मुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा ने उल्टा चोर कोतवाल को डांटे वाली कहावत चरितार्थ करने वाली बात कहा है। डॉ शर्मा ने कहा कि यूपी में नई पेंशन स्कीम को श्री मुलायम सिंह यादव जी के नेतृत्व की सपा सरकार ने ही लागू किया था। सपा सुप्रीमो को तब कोई दिक्कत नहीं हुई। यही नहीं जब जनता ने पूरे पांच साल राज करने का मौका दिया तब भी पूर्व मुख्यमंत्री जी 2012 से 2017 तक खामोश रहे। अगर यह योजना नापसंद थी तो अपनी पुरानी सपा सरकार के फैसले को क्यों नहीं पलट दिया? अब जबकि जनता दोबारा उन्हें करारा सबक सिखाने को बेकरार है, कोरे व झूठे वादों के बिस्तर पर विपक्षी सत्ता हासिल करने के स्वप्न देख रहे हैं। झूठे वादों से गुमराह करने की सपा की चाल को शिक्षक, कर्मचारी बखूबी समझ रहे हैं। वह अब किसी भी झूठी और लुभावनी घोषणा से प्रभावित होने वाला नहीं है। यह मुंगेरी लाल के हसीन सपने देखने जैसा है शुक्रवार को जारी एक बयान में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा सुप्रीमो को यदि मुलायम सिंह यादव जी के समय से लागू पेंशन योजना पसंद नहीं थी तो जब 2012 से 2017 तक उन्हें सत्ता मिली तो तभी इसे समाप्त कर देना चाहिए था। आज पुरानी पेंशन योजना के नाम पर सियासी ड्रामा करके सपा ÷वायदे आजम÷ बनने की कोशश कर रही हैं। इन्हें शिक्षकों व कर्मचारियों को यह भी बताना चाहिए कि अपने पांच साल के कार्यकाल में उन्होंने इसके लिए सरकार का दस हजार करोड़ रुपये का अंशदान क्यों नहीं जमा नहीं किया था। योगी सरकार के आने के बाद सपा सरकार के कार्यकाल का बकाया अंशदान भी बीजेपी सरकार द्वारा जमा कराया गया।

कुछ विपक्षी दल दिन-रात झूठ बोलते हैं। वायदों का सब्जबाग दिखाकर जनता को भ्रम में डालना इनका शगल हो चुका है। एक बार फिर विपक्ष अपने साथ झूठों की मंडली के साथ झूठ और वायदों की खेती करने की भरसक कोशिश कर रहा हैं। पुरानी पेंशन स्कीम की बहाली उनकी एक ऐसी ही घोषणा है।

संक्रमण की रोकथाम के दृष्टिगत सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंः मुख्यमंत्री

■ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सावधानी, सतर्कता तथा टीकाकरण ही कोविड नियंत्रण का आधार है। उन्होंने कोविड प्रोटोकॉल का पूर्णतया पालन सुनिश्चित कराए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि संक्रमण की रोकथाम के दृष्टिगत सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं।

मुख्यमंत्री आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत टीम-9 की बैठक में प्रदेश में कोविड-19 की स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्रतिदिन औसतन 25 लाख लोगों का कोविड टीकाकरण किया जा रहा है। इस क्षमता को बढ़ाकर 30 लाख प्रतिदिन किया जाए। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार निर्वाचन ड्यूटी वाले कार्मिकों को प्रिकॉशन डोज देने की तैयारी कर ली जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंटीग्रेटेड कोविड कमाण्ड सेन्टर (आई0सी0सी0सी0) 24×7 क्रियाशील रहें। प्रत्येक जनपद में जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा आई0सी0सी0सी0 में प्रतिदिन नियमित तौर पर बैठक कर स्थिति की समीक्षा की जाए। लोगों को टेलीकंसल्टेशन की सुविधा उपलब्ध करायी जाए। होम आइसोलेशन के मरीज, निगरानी समितियों से संवाद, एम्बुलेंस की आवश्यकता और टेली कन्सल्टेशन के लिए पृथक-पृथक नम्बर जारी किए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री हेल्प लाइन के माध्यम से अस्पताल में उपचार करा रहे कोविड पॉजिटिव लोगों के परिजनों से नियमित अन्तराल पर संवाद किया जाए। होम आइसोलेशन में स्वास्थ्य लाभ ले रहे कोविड मरीजों से संवाद कर उन्हें मेडिकल परामर्श, मेडिकट किट एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध करायी जाएं।

भाजपा राज में किसानों पर दोहरी मार पड़ रहीः अखिलेश

■ लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा राज में किसानों पर दोहरी मार पड़ रही है। एक तरफ महंगाई की मार, दूसरी ओर नुकसान का मुआवजा न मिलने से किसान बेहद परेशान। ललितपुर में ओलावृष्टि से फसल बर्बाद होने पर किसान की आत्महत्या विचलित करने वाली घटना है। ललितपुर जनपद के कोतवाली महरौनी क्षेत्र के ग्राम सैदपुर निवासी किसान फसल नष्ट होने से निराश था। 18 महीने पहले उसकी पत्नी ने भी फांसी लगाकर जान दे दी थी। दावे बड़े-बड़े पर जमीन पर कुछ भी नहीं। सिर्फ झूठ और फरेब से ही लोगों को भटकाने की कोशिशें जारी हैं। भाजपा के संकल्प पत्र में किसान की आय दुगनी करने का वादा था। भाजपा सरकार का कार्यकाल कुछ महीने ही बचा है पर अभी तक इस दिशा में कुछ नहीं किया गया है। डबल इंजन सरकार के बावजूद किसान के फसल की एमएसपी दरों पर बिक्री नहीं हुई।

जिलाधिकारी द्वारा टी0ई0टी0 परीक्षा केन्द्रों का किया गया निरीक्षण

बिजनौर। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा द्वारा आज अपरान्ह में 23 जनवरी,2022 को आयोजित होने वाली टी0ई0टी0 परीक्षा को पूर्ण रूप से नकल विहीन, निष्पक्ष और शांतिपूर्वक सम्पन्न कराने के लिए स्थानीय के0पी0एस0 इन्टर कॉलेज एवं आर0जे0पी0 इन्टर कॉलेज में स्थापित परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया गया तथा कॉलेज में स्थापित कन्ट्रोल रूम का भी मुआयना किया गया। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार तथा कॉलेज के प्राचार्यगण मौजूद थे। उन्होंने निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए कि परीक्षा की सम्पूर्ण प्रक्रिया शासन द्वारा निर्धारित मापदण्डों के अनुरूप संचालित कराएं और परीक्षार्थियों की सघन जांच के बाद ही परीक्षा कक्ष में प्रवेश कराएं। उन्होंने निर्देश दिए कि कोई भी अवांछित व्यक्ति परीक्षा कक्ष में प्रवेश नहीं करना चाहिए और न ही किसी परीक्षार्थी के पास मोबाईल, इलक्ट्रॉनिक डिवाईस पाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा कक्षों में अन्दर के अलावा बाहर और गैलरी में भी सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं और उसकी सतत् निगरानी के लिए कर्मठ और सजग कर्मचारी को तैनात किया जाए ताकि हर स्थान की गतिविधि पर कड़ी नज़र रखी जा सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि प्रवेश द्वारा तथा आस पास पुलिस बल की समुचित व्यवस्था करें।

पहले पुलिस भागती थी, अपराधी भगाते थे, आज दौड़ाती है पुलिस, भाग रहा है माफियाः योगी

■ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि जिस उत्तर प्रदेश में 05 साल पहले पुलिस अपराधियों के आगे-आगे भागती थी, आज वहीं पेशेवर माफिया भागता है और पुलिस दौड़ाती है। मुजफ्फरनगर दंगों का जो अपराधी प्रदेश के मुख्यमंत्री के हाथों सम्मानित होता था, आज जान की भीख मांग रहा है। कैराना से आमलोगों को पलायन के लिए मजबूर करने वाले आज खुद यूपी छोड़कर भागने पर मजबूर हैं और कैराना में मॉल खुल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि 05 साल में उत्तर प्रदेश में कानून का राज स्थापित हुआ है। यूपी में रोज़गार और निवेश की संभावनाओं को गति मिली है। 10 मार्च को प्रचंड बहुमत से बीजेपी सरकार बनने के बाद इनमें और रफ्तार आएगी।

सीएम योगी, शुक्रवार को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के उद्यमी बंधुओं से आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश विषय पर संवाद कर रहे थे। वर्चुअल माध्यम से हुए इस संवाद में उन्होंने व्यापारियों-उद्यमियों को भयमुक्त होकर आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के निर्माण में अपना योगदान करने का आह्वान किया। विधानसभा चुनाव में उद्यमी वर्ग से भाजपा के प्रति सकारात्मक सहयोग की अपेक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने यूपी को एक ट्रिलियन यूएस डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का सपना देखा है। यह सपना उद्यमियों के सहयोग से ही पूरा हो सकता है। वर्चुअल संवाद-समागम में सीएम ने पिछली सरकारों के दौरान उद्योग जगत की दुश्वारियों और बदहाल कानून-व्यवस्था का भी जिक्र किया तो कहा कि हर वर्ग के लिए भयमुक्त वातावरण केवल बीजेपी सरकार ही दे सकती है। उन्होंने कहा कि 05 वर्ष पहले यही सहारनपुर-मुजफ्फरनगर दंगों के लिए बदनाम था। कैराना से लोग पलायन को मजबूर थे और गाजियाबाद में व्यापारी-उद्यमी समाज रंगदारी और अपहरण से त्रस्त था। लेकिन आज बीजेपी सरकार ने अपराध और अपराधी के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई। नतीजतन आज कानून व्यवस्था सुदृढ़ हुई। यूपी के प्रति लोगों को सोच बदली। लाखों करोड़ का औद्योगिक निवेश आया। अकेले ?66,000 करोड़ का निवेश कोरोनाकाल में आया। इससे रोजगार सृजन हुआ। उन्होंने बताया कि 05 साल में हमारी एमएसएमई इकाइयों में 1.61 करोड़ युवाओं को रोज़गार मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे, बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे, बलिया लिंक एक्सप्रेस-वे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे, लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे और गंगा एक्सप्रेस-वे बन के रूप में कनेक्टिविटी का संजाल बन रहा है। 2017 से पहले डेढ़ एयरपोर्ट एक्टिव थे आज 09 क्रियाशील हैं 12 नए बन रहे हैं और 75 शहरों के लिए हवाई उड़ान हो रही है। ज़िला मुख्यालय तक फोर लेन की सड़क है।

आजादी से 2017 तक जिस यूपी में केवल 12 मेडिकल कॉलेज थे आज 35 बन रहे हैं। बिजली की निर्बाध आपूर्ति हो या कि उद्योगों के लिए भूमि की उपलब्धता, सरकार ने हर ओर ध्यान दिया, नतीजा प्रदेश में उद्योग का ऐसा माहौल बना कि यूपी देश में निवेश के लिए सबसे अच्छा गंतव्य बन कर उभरा है। सीएम ने बताया कि सरकार पश्चिमी यूपी में फ़िल्म सिटी, मेडिकल डिवाइस पार्क, फार्मा पार्क, प्लास्टिक पार्क और टॉय पार्क जैसे विशेष औद्योगिक क्षेत्र बना रही है।

कासगंज पुलिस की एक और बड़ी कामयाबी

जनपद कासगंज। कासगंज पुलिस की एक और बड़ी कामयाबी, सीरियल किलर गैंग का खुलासा, भोलेभाले लोगों को अपने जाल में फसाकर लूट के उद्देश्य से अलग अलग समय पर की गई तीन सनसनीखेज हत्याएँ, गैंग के सभी तीनों सदस्य गिरफ्तार, कब्जे से मृतकों के पासबुक, आधार कार्ड, कम्बल, थैला, कपड़े व नगदी बरामद ।

जनपद में विगत दो वर्षों से एक ऐसा गैंग चल रहा था जोकि भोले-भाले लोगों को फँसाकर उन्हें एकान्त में ले जाकर हत्या कर लूटपाट की घटनाओं को अन्जाम दे रहे थे इसी क्रम में विगत दो वर्षों में जनपद में निम्नलिखित घटनाएँ कारित की गयी है-

1. दिनांक 28.12.2020 को थाना कोतवाली कासगंज स्थित काली नदी के किनारे एक अज्ञात व्यक्ति का शव प्राप्त हुआ था जिसकी शिनाख्त मृतक की पत्नी श्रीमती आशा नि0 नगला बाले, सहावर गेट थाना कोतवाली कासगंज द्वारा अपने पति लालमन उम्र 35 वर्ष के रूप में की गयी थी । मृतक की पत्नी आशा देवी की तहरीर के आधार पर थाना कोतवाली कासगंज पर मु0 बनाम अज्ञात पंजीकृत करते हुए विवेचना की जा रही थी । कुछ समय बाद मृतक लालमन जोकि ई-रिक्शा (टिर्री) चालक था उसकी टिर्री दो दिन बाद ग्राम नगला सहजन में खड़ी मिली थी।

2. दिनांक 22.10.2021 को थाना कोतवाली कासगंज क्षेत्रान्तर्गत रेलवे लाइन के किनारे एक अज्ञात व्यक्ति का शव प्राप्त हुआ था जिसका गला घोंटकर हत्या किया जाना प्रतीत होता था शरीर पर चोटों के निशान भी थे। उक्त अज्ञात व्यक्ति की शिनाख्त मृतक के भाई रमेश सिंह पुत्र स्व0 श्री प्यारेलाल निवासी ग्राम पटसुआ थाना जैथरा जनपद एटा द्वारा अपने भाई जवर सिंह पुत्र प्यारेलाल के रूप में की थी तथा मृतक के भाई द्वारा बताया गया था कि उसका भाई शहादरा दिल्ली में नमकीन कम्पनी में काम करता था जोकि नोएडा से रोडवेज बस द्वारा घर वापस आ रहा था किन्तु घर न पहुँचकर गायब हो गया था उसका मोबाइल फोन भी स्विच ऑफ आ रहा था । मृतक के भाई रमेश सिंह उपरोक्त की तहरीर के आधार पर थाना कोतवाली कासगंज पर मु0 पंजीकृत कर घटना के सही खुलासे हेतु विवेचना की जा रही थी ।

3. दिनांक 20.01.2022 को थाना कोतवाली कासगंज पर वादी श्री धारा सिंह पुत्र सत्यप्रकाश नि0 ग्राम भनुपुरा थाना सहावर जनपद कासगंज द्वारा लिखित तहरीर देकर सूचना अंकित करायी थी कि उसके पिता सत्यप्रकाश उम्र करीब 65 वर्ष भाईयों के पास दिल्ली गये हुए थे जोकि दिनांक 07.01.2022 को सायं ट्रेन द्वारा मथुरा होते हुए कासगंज घर के लिए चले थे जोकि अभी तक घर पर नहीं पहुँचे है ।

वादी द्वारा दी गयी तहरीर के आधार पर थाना कोतवाली कासगंज पर बनाम अज्ञात पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गयी । वादी के पिता की तलाश हेतु कासगंज रेलवे स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरा का अवलोकन किया गया तो दिनांक 08.01.2022 को समय करीब 02.07रू पर वादी के पिता सत्यप्रकाश बाहर निकलते हुए दिखायी दिये । पुलिस द्वारा तलाश करने पर दिनांक 09.01.2022 एक व्यक्ति का शव कंकाल के रूप में रेलवे लाइन के किनारे मिला जिसके कपड़े, आधार कार्ड व बैंक की पासबुक आदि से उस कंकाल की शिनाख्त वादी धारा सिंह द्वारा अपने पिता सत्यप्रकाश के रूप में की गयी ।

उपरोक्त घटित घटनाओं को पुलिस अधीक्षक कासगंज श्री रोहन प्रमोद बोत्रे द्वारा गम्भीरता से लेकर शीघ्र अनावरण हेतु अपर पुलिस अधीक्षक श्री अनिल कुमार के पर्यवेक्षण में एवं क्षेत्राधिकारी नगर श्री दीप कुमार पन्त के नेतृत्व में एस0ओ0जी0, स्वॉट, सर्विलांस एवं स्थानीय पुलिस की चार टीमें गठित की गयी। गठित टीमों द्वारा किये गये निरन्तर प्रयासों एवं मृतक सत्यप्रकाश के सम्बन्ध में रेलवे स्टेशन में लगे सीसीटीवी कैमरों को अवलोकन किया गया तो एक कैमरा में वादी के पिता सत्यप्रकाश के साथ एक अज्ञात संदिग्ध व्यक्ति दिखायी दिया उक्त संदिग्ध व्यक्ति को आज दिनांक 22.01.2022 को पुलिस हिरासत में लेकर गहनता से पूछताछ की गयी तो उसने अपना नाम भूरे पुत्र हमीद नि0 ग्राम नागर थाना सुन्नगढ़ी जनपद कासगंज बताया और अधिक पूछताछ करने पर उसके द्वारा अपना जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि हम लोगों का एक संगठित गिरोह है उस गैंग में उसके अलावा समरूद्दीन पुत्र नजरूद्दीन एवं नदीम पुत्र अब्दुल रहमान नि0गण नागर थाना सुन्नगढ़ी जनपद कासगंज सम्मिलित है हम लोग रेलवे स्टेशन एवं बस अड्डे पर बाहर से आने वाली सवारियों को टारगेट करते है और उन्हें तरह तरह प्रलोभन देकर एकान्त में ले जाकर हत्या कर उनके पास जो भी नगदी आदि प्राप्त होती है उसे लूट लेते है । उनके द्वारा जनपद कासगंज में विगत में घटित तीनों घटनाओं क्रमशः दिनांक 28.12.2020 को घटित घटना टिर्री चालक लालमन एवं दिनांक 22.10.2021 को घटित घटना नोएडा से बस द्वारा आये यात्री जबर सिंह तथा दिनांक 08.01.2022 को दिल्ली से ट्रेन द्वारा आये सत्यप्रकाश के साथ कारित घटनाओं के सम्बन्ध में दी गयी जानकारी विवरण निम्नवत है।

कृष्णा श्रॉफ ने शॉर्ट्स में दिए बेहद ही बोल्ड पोज

बर्थडे पर फैंस को दिया सिजलिंग तस्वीरों का तोहफा

टाइगर श्रॉफ की बहन और जैकी श्रॉफ की लाडली कृष्णा श्रॉफ ने भले ही अभी तक बॉलीवुड में डेब्यू ना किया हो, पर उनकी फैन फॉलोइंग किसी स्टार से कम नहीं। कृष्णा अक्सर अपनी हॉट और सिजलिंग फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। फैंस को भी उनकी हर पोस्ट का बेसब्री से इंतजार रहता है। और कृष्णा ने भी चाहने वालों की डिमांड को ध्यान में रखते हुए अपने बर्थडे पर बेहद ही बोल्ड वीडियो शेयर किया है। कृष्णा श्रॉफ के इंस्टाग्राम पर 1 मिलियन से भी ज्यादा फॉलोवर हैं। 21 जनवरी कोको उन्होंने अपना 29वां बर्थडे मनाया और इस मौके पर फैंस को अपनी सिजलिंग तस्वीरों का तोहफा भी दिया। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहीं इन तस्वीरों में कृष्णा काफी ग्लैमर्स नजर आ रहीं हैं। सिर्फ ब्रालेट और शॉर्ट्स में कृष्णा सोफे पर तरह- तरह का पोज देती हुई दिखाई दे रहीं हैं। कृष्णा के बर्थडे पर उनके फैंस से लेकर उनकी फैमिली और फ्रेंड्स सोशल मीडिया के जरिए विशेज भेजे।

प्रियंका चोपड़ा, निक जोनस बने माता-पिता

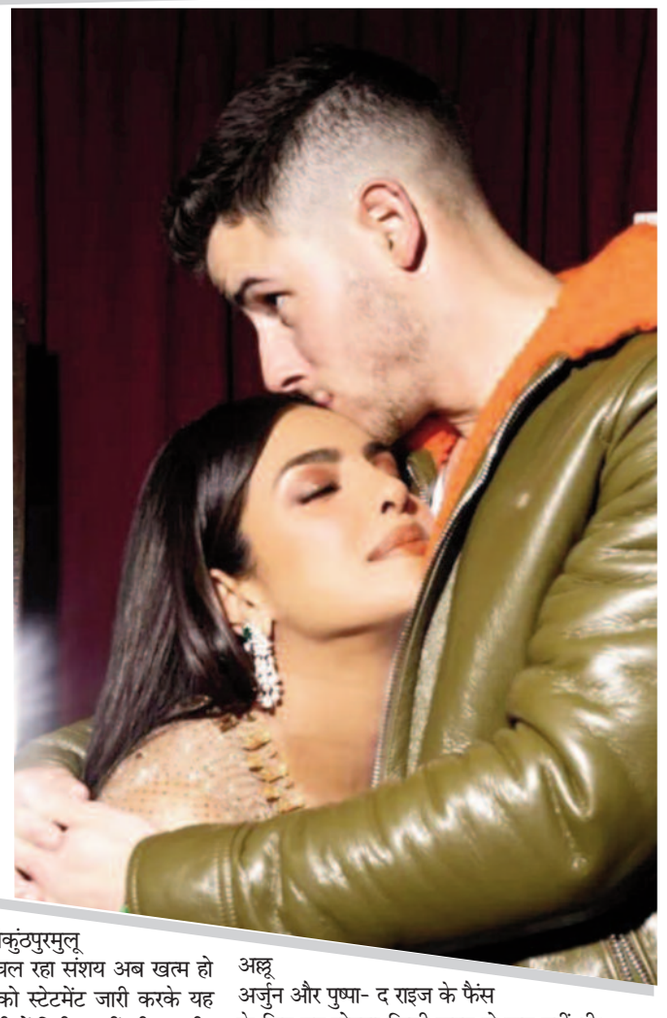

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा और उनके पति निक जोनस ने सरोगेसी के जरिए एक बच्चे का स्वागत किया है। कपल ने इस खुशखबरी को सोशल मीडिया के जरिए शेयर किया है। प्रियंका चोपड़ा के द्वारा इस जानकारी को देने के बाद ही फैंस उन्हें बधाई देने लगे। हालांकि, दोनों ने ये नहीं बताया है कि बेटा है या बेटी है। प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर सेम पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में लिखा है, हमें ये कन्फर्म करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हमने सरोगेट के जरिए बच्चे का स्वागत किया है। हम सम्मानपूर्वक इस स्पेशल टाइम के दौरान प्राइवेसी की रिक्वेस्ट करते हैं क्योंकि हम अपनी फैमिली पर फोकस कर सकें। बहुत बहुत धन्यवाद। ऐक्ट्रेस की पोस्ट पर फैंस के साथ ही लारा दत्ता, हुमा कुरैशी, पूजा हेगड़े सहित तमाम बॉलिवुड सिलेब्स ने बधाई दी है। प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस ने साल 2018 में शादी की थी। दोनों राजस्थान में जोधपुर के उम्मेद भवन पैलेस में हिंदू और क्रिश्चियन रीति-रिवाज से शादी की थी। हाल ही में दोनों ने अपनी शादी की तीसरी सालगिरह मनाई थी। बीते दिनों प्रियंका चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से अपने पति निक जोनस का सरनेम हटा लिया था। इसके बाद दोनों के अलग होने की खबरें छाई रही थीं।

अल्लू अर्जुन की फिल्म अला वैकुंठपुरमुलू की हिंदी रिलीज को लेकर चल रहा संशय अब खत्म हो गया है। मेकर्स ने शुक्रवार को स्टेटमेंट जारी करके यह साफ कर दिया कि फिल्म हिंदी में रिलीज नहीं की जाएगी।

हिंदी में रिलीज नहीं होगी अल्लू अर्जुन की फिल्म 'अला वैकुंठपुरमुलू'

यह फिल्म 26 जनवरी को सिनमाघरों में आने वाली थी और सोशल मीडिया में इसका प्रचार भी शुरू कर दिया गया था। अला वैकुंठपुरमुलू हिंदी के राइट्स गोल्डमाइंस कम्पनी के पास हैं, जिनकी ओर से मीडिया और ट्रेड के लिए जारी स्टेटमेंट में कहा गया है- गोल्डमाइंस के प्रमोटर मनीष शाह और शहजादा के मेकर्स ने संयुक्त रूप से यह फैसला किया है कि अला वैकुंठपुरमुलू के हिंदी वर्जन को रिलीज नहीं किया जाएगा। शहजादा के निर्माता मनीष शाह के राजी होने पर उनका शुक्रिया अदा करते हैं।

पुष्पा- द राइज की हिंदी बेल्ट में बेतहाशा सफलता के बाद गोल्डमाइंस ने एलान किया था कि अल्लू अर्जुन की दो साल पुरानी फिल्म को 26 जनवरी को हिंदी भाषी क्षेत्रों में नये सिरे से रिलीज किया जाएगा। इसका हिंदी टीजर भी रिलीज कर दिया गया था और रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि 20 जनवरी को हिंदी ट्रेलर रिलीज किया जाएगा। अल्लू अर्जुन और पुष्पा- द राइज के फैंस के लिए यह घोषणा किसी जश्न से कम नहीं थी।

मगर, इस एलान के बाद शहजादा के मेकर्स की बेचैनी बढ़ गयी थी, क्योंकि कार्तिक आर्यन की फिल्म अल्लू अर्जुन की इसी फिल्म का आधिकारिक रीमेक है। अगर, अला वैकुंठपुरमुलू हिंदी में रिलीज हो जाती तो जाहिर तौर पर शहजादा की लोकप्रियता प्रभावित होती, क्योंकि अल्लू अर्जुन की यह फिल्म अभी हिंदी में ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर भी मौजूद नहीं है। यहां बताते चलें कि अला वैकुंठपुरमुलू के निर्माता अल्लू अर्जुन के पिता अल्लू अरविंद हैं, जो तेलुगु सिनेमा के दिग्गज निर्माताओं में शामिल हैं। अल्लू अरविंद शहजादा के भी सह-निर्माता हैं। इस फिल्म का निर्माण टी-सीरीज के साथ मिलकर किया जा रहा है।

शहजादा का एलान पिछले साल पुष्पा- द राइज की रिलीज से दो महीने पहले अक्टूबर में किया गया था। हिंदी में फिल्म का निर्देशन वरुण धवन के भाई रोहित धवन कर रहे हैं। फिल्म में कृति सेनन, परेश रावल, मनीषा कोईराला, रोनित रॉय, सचिन खेड़ेकर जैसे कलाकार मुख्य किरदारों में दिखेंगे। बता दें, अला वैकुंठपुरमुलू 2020 में रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर शानदार कामयाबी दर्ज की थी। इस फिल्म का निर्देशन त्रिविक्रम श्रीनिवास ने किया था। फिल्म में पूजा हेगड़े फीमेल लीड थीं, जबकि तब्बू और मुरली शर्मा अहम किरदारों में थे।

अजय देवगन-काजोल की बेटी नीसा देवगन ने बोल्ड ड्रेस में हाईवे पर दिया ऐसा पोज

एक्टर अजय देवगन और काजोल इंडस्ट्री के बड़े स्टार्स की लिस्ट में शामिल हैं। काजोल और अजय की तरह ही उनकी बेटी नीसा देवगन भी हमेशा ही सुर्खियों में बनीं रहती हैं। नीसा ने अभी भले ही बॉलीवुड फिल्मों से डेब्यू नहीं किया है, लेकिन सोशल मीडिया पर उनकी अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है। इंस्टाग्राम पर उनके नाम से कई फैन एकाउंट बने हुए हैं, जिन पर अक्सर ही नीसा की नई-नई तस्वीरें उनके फैंस शेयर करते रहते हैं। वहीं उनकी कोई भी तस्वीर सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो जाती है। इसी बीच अब नीसा की एक नई तस्वीर इंटरनेट पर चर्चा में बनीं हुई है। इस

तस्वीर में वह अपने ग्लैमरस लुक से फैंस के क्रेजी बना रहीं हैं। काजोल की बेटी नीसा देवगन की एक लेटेस्ट तस्वीर इंस्टाग्राम पर उनके एक फैन पेज पर साझा की गई है। इस तस्वीर में उनका जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन दिख रहा है। फोटो में आप देख सकते हैं कि नीसा काफी स्टाइलिश और गॉर्जस दिख रही हैं। कई फैंस ने इन तस्वीरों पर कमेंट किये हैं और नीसा की तारीफ की है। नीसा ने व्हाइट कलर काऑफ शोल्डर टॉप पहना हुआ है। वहीं इस टॉप के साथ नीसा ने ब्राउन कलर की पैंट कैरी की है। तस्वीर के बैकग्राउड को देखकर ऐसा लग रहा है जैसे वह किसी हाइवे पर हैं।

आर. बाल्की की चुप से बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं पूजा भट्ट, कहा- 'मैं खुद को सौभाग्यशाली महसूस कर रही हूं'

अपने दौर की मशहूर एक्ट्रेस पूजा भट्ट फिल्म निर्माता आर बल्कि की फिल्म चुप से लंबे वक्त बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं। इस फिल्म को लेकर अभिनेता बेहहद उत्साहित नजर आ रही हैं। इस साइकोलॉजिकल थ्रिलर में पूजा भट्ट, सनी देओल, सलमान और श्रेया धनवंतरी मुख्य किरदार में नजर आने वाली हैं। पिंकविला की रिपोर्ट के अनुसार एक्ट्रेस ने कहा, मैं खुद को सौभाग्यशाली महसूस करती हूं कि मैं इस युवा जुनूनी दुनिया और उद्योग में स्क्रीन पर अपनी वापसी कर रही हूं। वर्ना 49 साल की उम्र में किसको इतना दमदार किरदार निभाने को मिल सकता है। मुझे लगता है कि वक्त बदल रहा है और आज 90 के दशक की तुलना में कहीं ज्यादा अवसर हैं। हम डिजिटल के माध्यम से एक नई भाषा बोलते है और बॉलीवुड के इसे पकड़ने की जरूरत है। पूजा ने आगे फिल्म निर्माता आर बाल्की की तारीफ करते हुए आगे कहा वो अपने शानदार निर्देशन के लिए जाने जाते हैं और उनकी एक अलग तरह की निगाहें है। इसी लिए जब ये प्रोजेक्ट मेरे पास आया, तो मैंने इसके लिए हां कर दिया। आपको बता दें कि फिल्म निर्माताओं ने पिछले साल लेजेंड फिल्म निर्माता गुरू दत्त की पुण्यतिथि के मौके पर इस फिल्म साइकोलोजिकल थ्रिलर फिल्म का मोशन पोस्ट शेयर कर फिल्म के नाम का खुलासा किया था।

इब्राहिम अली खान के साथ डिनर करने पहुंचीं पलक तिवारी, कैमरा देख दोनों छुपाने लगे चेहरा

श्वेकता तिवारी की बेटी पलक तिवारी इन दिनों जहां अपने म्यूजिक वीडियो बिजली के कारण सुर्खियां बटोर रही हैं, वहीं शुक्रवार की रात मुंबई में कुछ ऐसा देखने को मिला, जिसने हर किसी को बहुत कुछ सोचने पर मजबूर कर दिया है। पलक तिवारी देर शाम डिनर के लिए बांद्रा के एक रेस्त्रां पहुंची थीं। दिलचस्प बात यह है कि उनके साथ डिनर पर और कोई नहीं, बर्लि्व सैफ अली खान के साहबजादे इब्राहिम अली खान थे। इतना ही नहीं, डिनर के बाद दोनों एक ही गाड़ी में निकले। पपाराजी के कैमरों ने दोनों को क्लिीक करना चाहा तो पलक तिवारी अपना चेहरा छुपाने लगीं और इब्राहिम भी यह सब देखकर मुस्कुराने लगे। अब यह सब देखकर तो यही लग रहा है कि दोनों के बीच जरूर कोई ख?िचड़ी पक रही है। वैसे, दोनों को लेकर शक की ये सूइयां ऐसे ही नहीं घूम रही हैं। इससे पहले भी कुछ हुआ है। असल में डिनर के बाद इब्राहिम रेस्त्रां से पहले बाहर निकले और दूसरी दिशा में आगे बढ़ने लगे। पीछे से पलक तिवारी भी निकलीं। लेकिन फिर जब कार आगे बढ़ी तो दिखा कि दोनों एक ही गाड़ी में साथ बैठे हैं। कैमरे चमके तो दोनों ने अपना चेहरा छुपाने की कोशिश की। पलक तो इसमें बहुत हद तक कामयाब भी रहीं, लेकिन इब्राहिम को मुस्कुचराते हुए देखा गया। अब सवाल उठना तो लाजिमी है कि क्या दोनों डिनर डेट पर गए थे? वैसे चर्चा इब्राहिम अली खान के बॉलिवुड डेब्यूड की भी है, तो क्या डेब्यूा फिल्म् में पलक तिवारी उनकी हीरोइन बनने वाली हैं? बहरहाल, इन दोनों सवालों के जवाब के लिए हमें थोड़ और इंतजार करना पड़ेगा। लेकिन फिलहाल जो दिख रहा है वो ये कि इस डिनर के लिए दोनों काफी स्टादइलिश बनकर पहुंचे थे। पलक तिवारी ने कैजुअल लाल रंग की स्पेडगेटी के साथ ब्लूा डेनिम जींस और सफेद जूते पहन रखे थे। बाल खुले हुए थे और इस अवतार में वह बिजली गिरा रही थीं। जबकि इब्राहिम अली खान ने काले रंग की टीशर्ट के साथ ब्लूे डेनिम जींस पहना था। इसके साथ उन्होंलने एक ब्राउन रंग की जैकेट और सफेद जूते पहने थे। इब्राहिम अली खान के बॉलिवुड डेब्यूा को लेकर यह भी कहा जा रहा है कि करण जौहर उन्हें लॉन्चे कर सकते हैं। वैसे, इब्राहिम इस वक्त करण जौहर के साथ ही काम कर रहे हैं। वह करण जौहर की फिल्मि रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में असिस्टें ट डायरेक्ट र बने हैं। इस फिल्मि में रणवीर सिंह और आलिया भट्ट लीड रोल में हैं। जबकि धर्मेंद्र, जया बच्चमन और शबाना आजमी भी फिल्मब में प्रमुख भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। दूसरी ओर, पलक तिवारी जहां इन दिनों हार्डी संधू के साथ अपने म्यूजिक वीडियो बिजली की सक्सेदस एंजॉय कर रही हैं, वहीं चर्चा है कि वह एकसाथ कई फिल्मों की भी तैयारी कर रही हैं।

अब सवाल उठना तो लाजिमी है कि क्या दोनों डिनर डेट पर गए थे? वैसे चर्चा इब्राहिम अली खान के बॉलिवुड डेब्यूउ की भी है, तो क्या डेब्यूा फिल्म् में पलक तिवारी उनकी हीरोइन बनने वाली हैं? बहरहाल, इन दोनों सवालों के जवाब के लिए हमें थोड़ और इंतजार करना पड़ेगा। लेकिन फिलहाल जो दिख रहा है वो ये कि इस डिनर के लिए दोनों काफी स्टादइलिश बनकर पहुंचे थे।

हरभजन सिंह के बाद अब उनकी पत्नी गीता बसरा भी हुईं कोविड पॉजिटिव

साल 2022 शुरू होने के साथ ही कोविड ने अपना असर दिखाना भी शुरू कर दिया है। पूरे देश में लगातार संक्रमण की दर बढ़ रही है। सभी सावधानियां लेने के बाद भी लोग कोविड-19 की चपेट में आते जा रहे हैं। हाल ही में क्रिकेटर हरभजन सिंह के कोविड पॉजिटिव होने की खबरें आई थीं। अब उनकी पत्नी एक्ट्रेस गीता बसरा भी कोविड संक्रमित हो गई हैं। इस बात की पुष्टि एक्ट्रेस ने खुद सोशल मीडिया पर की है। गीता बसरा ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक स्टोरी शेयर की है। पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, इतनी सावधानी बरतने और 2 साल तक इस कोरोना को चकमा देने की कोशिश करने के बाद, आखिरकार वायरस ने हमें चपेट में ले लिया।÷साथ ही उन्होंने क्वारंटाइन मोड भी लिखा। स्टोरी में गीता बेड पर लेटी अराम करते हुए नजर आ रही हैं। बता दें, शुक्रवार को हरभजन सिंह ने कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने की खबर अपने ट्विटर हैंडल के जरिए फैंस को दी थी। हरभजन ने अपने पोस्ट में लिखा, मेरी रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई है। मुझे हल्के लक्षण भी है। मैंने खुद को अपने घर पर क्वारंटाइन कर लिया है, और हर जरुरी नियमों का पालन कर रहा हूं। मैं उन सभी से

रिक्वेस्ट करता हूं कि अपना कोरोना टेस्ट करवा लें, जो पिछले कुछ दिनों में मेरे संपर्क में आए हैं। अपना ख्याल रखें और सावधान रहे।

प्रकृति के साथ कई तरह से स्वास्थ्य लाभ

चाहे मौसम कोई भी हो प्रकृति के पास हमारे स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के अनगिनत स्रेत हैं। इसलिए चाहे कड़ाके के ठंड ही क्यों न पड़ रही हो अच्छी तरह गर्म कपड़े पहनें और निकल पड़ें प्रकृति की गोद में क्योंकि इस मौसम में बाहर निकलने से आपके स्वास्थ्य को जो फायदे मिलेंगे वे घर के अंदर रजाई में बैठकर नहीं मिल सकते

बेहतर होता है मूड

मायो क्लीनिक के अनुसार यह बात तो सभी जानते हैं कि सर्दियों में हम उदासीन हो जाते हैं मूड अच्छा नहीं रहता। इस मौसम में दस से बीस प्रतिशत लोगों में सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर (एसएडी यानी सैड) डिप्रेशन का कारण बनता है। इसके लक्षणों में एंजाइटी, थकान, नींद और उदासीनता शामिल है। शोधकर्ता मानते हैं कि सैड सर्दियों के छोटे दिनों का परिणाम है और इस दौरान प्राकृतिक रोशनी भी बहुत कम मिलती है। यहां तक कि नियमित व्यायाम करने वालों को भी सर्दियां घरों में बंद कर देती हैं जिससे उनका धूप में निकलना कम हो जाता है। इसलिए सैड का जल्द और तुरंत इलाज ज्यादा से ज्यादा बाहर निकलना है। चाहे बाहर खूब ठंड हो रही हो।

ज्यादा बाहर यानी ज्यादा विटामिन डी

सैड के लक्षणों से बचने के लिए ज्यादा से ज्यादा वक्त जब हम बाहर गुजारते हैं तब धूप हमारे शरीर को आवश्यक किरणों को सोखने का मौका देती है। विटामिन डी हार्ट अटैक से बचाव करता है साथ ही ऑस्टीयोपोरोसिस और कई तरह के कैंसर जैसी स्थिति में फायदा पहुंचाता है। हालांकि कुछ खाद्य पदार्थो के जरिये भी विटामिन डी लिया जा सकता है जैसे मछली, अंडा और चीज आदि। लेकिन 80 से 90 प्रतिशत तक हम इसे सूरज से ही पा सकते हैं।

एक्सरसाइज रुटीन को करता है रिचार्ज

जब सर्द हवाएं चल रही हों या फिर घना कोहरा छाया हो ऐसे में बाहर जाकर एक्सरसाइज करने के लिए खुद को प्रेरित करना थोड़ा कठिन होता है। लेकिन बाहर निकल कर दौड़ना अच्छा वर्कआउट माना जाता है, आप चाहें तो साइकिलिंग करके ज्यादा से ज्यादा कैलोरी बर्न कर सकती हैं या फिर किसी तरह की फिजिकल एक्टविटी करके एक्सरसाइज का फायदा उठा सकती हैं। ऐसा मानना है न्यूयॉर्क टाइम्स में छपे एक शोध का। इसका मतलब यह है कि धुंध भरी सुबह अपने आलस्य को छोड़कर बाहर एक्सरसाइज करने के लिए निकल पड़िये। यह आपको पूरे दिन तरोताजा रखेगी। सर्दियों में सुबह-सुबह टहलने निकलने का एक फायदा यह भी है कि आपको सड़कें खाली मिलेंगी, कोहरे में टहलते हुए आप पेड़ों से गिरती हुई ओस की बूंदे देखकर प्राकृतिक नजारों का लुफ्त उठा सकती हैं।

कई बीमारियों में कारगर प्राकृतिक प्रकाश

पिट्सबर्ग यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन के अनुसार प्राकृतिक रोशनी यानी सूरज की किरणों में आरोग्यात्मक गुण पाये जाते हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि स्पाइनल सर्जरी वाले रोगियों में धूप में बैठने के बाद दर्द और तनाव का स्तर कम पाया गया। दरअसल जो रोगी 46 प्रतिशत धूप में ज्यादा बैठे उन्हें चिकित्सा अवधि के दौरान 22 प्रतिशत दर्द का कम अहसास हुआ। एजिंग हेल्थ ऑफ जर्नल में छपे एक और अध्ययन के अनुसार उम्र बढ़ने के साथ-साथ हमारा बाहर टहलने निकलना और ज्यादा जरूरी हो जाता है। एक 70 वर्षीय व्यक्ति जो प्रतिदिन बाहर समय व्यतीत करता है उसे शरीर में दर्द का अहसास कम होता है साथ ही नींद की समस्या भी नहीं रहती। उनकी दिन-प्रतिदिन के क्रियाकलापों में भी बहुत कम गिरावट देखी गई। ऐसे में कहा जा सकता है कि प्रकृति में ज्यादा वक्त गुजारने से आप वृद्धावस्था में भी स्वस्थ रह सकती हैं।

टहलने से बढ़ेगी एकाग्रता और रचनात्मकता

अध्ययन बताते हैं कि जब आप बाहर टहलने निकलते हैं तब हमारे मस्तिष्क की कार्यपणाली और मेंटल फोकस में इजाफा हो ता है। स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन के अनुसार टहलने से न केवल फिजिकल एक्टीविटी बढ़ती है बल्कि दिमाग में नये-नये विचारों का आवागमन भी होता है। उटाह यूनिवर्सिटी द्वारा कराये गये एक अन्य अध्ययन में पाया कि एक क्रिएटिव टेस्ट में जगह-जगह यात्रा करने वाले पार्टिसिपेंट्स ने बिना किसी गैजेट की सहायता के पचास प्रतिशत ज्यादा अंक प्राप्त किये। शोधकर्ताओं का मानना है कि खुद को चौबीसों घंटे कंप्यूटर और अन्य गैजेट्स से चिपकाये रखने की आदत के फलस्वरूप लोग टहलना भूल रहे हैं। बाहर ज्यादा समय गुजारने से फोकस भी बढ़ता है। शहरों में रहने वाले बच्चे जो घर के आसपास ही खेलते हैं, की तुलना में पाकरे में धमा चौकड़ी बचाने वाले बच्चों का फोकस बेहतर होता है।

अनोखा एनर्जी बूस्टर है मीठा और ताजा खजूर

मीठे, ताजे और नरम डेट्स यानी खजूर देखने में आकर्षक तो लगते ही हैं, साथ ही स्वास्थ्य के लिए भी बेहद फायदेमंद होते हैं। बच्चे हों या बड़े हर किसी के लिए यह पोषक तत्वों, मिनरल्स और विटामिन्स से भरा फल है। सामान्य ग्रोथ, विकास और पूरे शरीर के स्वास्थ्य के लिए जिन चीजों की जरूरत पड़ती है, वह सब इस फल में मौजूद हैं। ताजे खजूर नरम होते हैं और आसानी से पच जाते हैं। इसमें साधारण शुगर जैसे फ्रूकटोज और डेस्ट्रोज मौजूद होते हैं। इसे खाते ही पूरे शरीर में फुर्ती और ताकत का संचार होता है और व्यक्ति अपने आप को ऊर्जावान पाता है।

खजूर में प्रचुर मात्रा में फाइबर पाए जाते हैं। ये कोलेस्ट्रोल को कम करते हैं। खजूर में मौजूद फाइबर कोलोन कैंसर से भी बचाव करते हैं। खजूर में टेनिन हेल्थ के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। इसमें एंटी इफेक्टिव, एंटी इनफ्लेमटरी और एंटी हिमोरेजिक गुण होते हैं, जो शरीर से आसानी से खून बहने नहीं देता।

खजूर कब्ज से परेशान लोगों के लिए रामबाण है। इसे लैक्जेटिव फूड भी कहा जाता है। इसमें प्रचुर मात्रा में घुलने वाले फाइबर पाए जाते हैं। खजूर को रात भर पानी में भिगोकर सुबह खाने से कब्ज में जल्द फायदा मिलता है।

हड्डियों की मजबूती और ताकत के लिए खजूर को सुपर फूड भी माना जाता है। यह आस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारियों से भी बचाव करता है। इसमें मौजूद सेलेनियम, मैग्नीज, कॉपर और मैग्नेशियम बढ़ती उम्र में भी हड्डियों की मजबूत रखते हैं।

खजूर में मौजूद निकोटिन आंत संबंधी कई बीमारियों से बचाता है। यह पाचन तंत्र को दुरुस्त रखता है और भोजन को आसानी से पचाने में मदद करता है। खजूर में प्रचुर मात्रा में मिनरल पाए जाते हैं, जो किसी भी स्वास्थ्य संबंधी समस्या के दौरान शरीर में आयरन की कमी नहीं होने देता। एनिमिया के मरीज इसे अपने हर दिन के खाने में शामिल कर सकते हैं। यह शरीर में आयरन की मात्रा बढ़ा कर थकान, आलस और कमजोरी दूर करता है। मौसमी एलर्जी से भी यह बचाता है।

खजूर में शुगर, प्रोटीन और कई जरूरी विटामिंस मौजूद होते हैं, जो हेल्दी डाइट का काम करते हैं। अगर अपने मसल्स बनाना चाहते हैं और साथ ही थोड़ा वेट भी चाहते हैं, तो खजूर एक बेहतर विकल्प है। लेकिन ध्यान रहे पूरा दिन इसे न खाएं वरना आप मोटापे के शिकार हो सकते हैं। खजूर एनर्जी बूस्टर का भी काम करता है।

उम्र बढ़ने के साथ नर्वस सिस्टम भी कमजोर होता जाता है। ऐसे में खजूर में मौजूद विटामिंस इसे सही रखने में मदद करता है और दिमाग तेज बनाता है। इसमें मौजूद पोटेशियम न सिर्फ आपका दिमाग बल्कि दिल को भी दुरुस्त रखता है। कमजोर दिल के मरीज इसका सेवन कर अपने हार्ट को हेल्दी बना सकते हैं। रात भर भिगो कर सुबह अगर इसे खाया जाए तो मरीज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

इसके अलावा खजूर, कान, नाक और गले की बीमारियों में भी लाभदायक है। इसके पत्ते को पीस कर आंखों के आसपास लगाने से रतौंधी (नाइट ब्लाइंडनेस) जैसी समस्या कम होती जाती है। पके हुए खजूर में मौजूद पोटेशियम क्रोनिक डायरिया में भी आराम पहुंचाते हैं। यह मानव शरीर के लिए अचूक दवा है। इसका नियमित सेवन एबडामिनल कैंसर जैसी बीमारी से बचाता है।

खजूर हर उम्र के लोगों के लिए टॉनिक को तरह काम करता है। इसलिए सर्दी हो या गर्मी इसे नियमित रूप से अपने खाने में शामिल करें। मगर ध्यान रहे, खाने से पहले इसकी क्वालिटी जरूर जांच लें और साथ ही इसे अच्छी तरह धो लें।

अखरोट खाएं और दूर भगाएं कई रोग

नट्स हमेशा सेहत के लिए फायदेमंद रहे हैं। बात अगर अखरोट की करें, तो यह एनर्जी का बेहतर स्रोत होने के साथ इसमें शरीर के लिए बेहतर पोषक तत्व, मिनरल्स, एंटीआक्सीडेंट और विटामिन प्रचुर मात्रा में मौजूद हैं। हर मौसम में अखरोट मिल जाते हैं। मगर यह अगस्त में बिल्कुल तैयार हो जाता है। अखरोट का तेल खाना बनाने के अलावा दवाइयों और खुशबू के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है।

अखरोट में मोनोसेचुरेटेड फैट जैसे ओलिस एसिड प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड जैसे सिनोलिक एसिड, अल्फा फिनोलिक एसिड और एराकिडोनिक एसिड भी काफी मात्रा में मिलते हैं। अखरोट का नियमित सेवन खून में बैड कोलेस्ट्राल को कम कर गुड कोलेस्ट्राल को बढ़ाता है।

हर दिन 25 ग्राम अखरोट के सेवन से 90 फीसद ओमेगा-3 फैटी एसिड भी मिलता है। इससे रक्तचाप, कोरोनरी आर्टरी डिजिज और स्ट्रोक के रिस्क कम होते हैं। इसका सेवन ब्रेस्ट कैंसर, कोलोन कैंसर और प्रोस्टेट कैंसर से बचाव करता है। अखरोट को ब्रेन फूड भी कहा जाता है। अखरोट में कई तरह के यौगिक मौजूद होते हैं जैसे मेलाटोनिन, विटामिन ई, कैरोटिनायड जो हमारे स्वास्थ्य को सही रखने में मदद करते हैं। यह यौगिक कैंसर, बुढ़ापा, सूजन और मस्तिष्क से संबंधित बीमारियों से बचाता है।

विटामिन-ई शरीर के लिए बेहद जरूरी होता है और अखरोट में प्रचुर मात्रा में विटामिन ई मौजूद होता है। विटामिन ई शरीर को हानिकारक आक्सीजन से सुरक्षा देता है। सौ ग्राम अखरोट में लगभग 21 ग्राम विटामिन-ई की मात्रा पाई जाती है। विटामिन के अलावा इसमें और भी जरूरी विटामिन मौजूद होते हैं जैसे विटामिन बी कांप्लेक्स समूह के शइबोफ्लैविन, नियासिन, थाइमिन, पेंटोथेनिक एसिड और विटामिन बी 6 और फोलेट्स।

डिस्क रिप्लेसमेंट थेरेपी कमर दर्द का कारगर समाधान

विशेषज्ञों का मानना है कि डेस्क पर लंबे समय तक बैठे रहना और झुककर काम करते रहने से युवाओं में पीठ संबंधी समस्याएं हो रही है। ऐसी दर्दनाक स्थितियों से छुटकारा पाने के लिए डिस्क रिप्लेसमेंट थेरेपी सबसे आसान समाधान उभरकर सामने आया है। एक हालिया शोध के अनुसार दुनियाभर में अन्य किसी बीमारी के मुकाबले विकलांगता होने की सबसे बड़ी वजह पीठ के निचले हिस्से में दर्द होना है। इसका सबसे मुख्य कारण लगातार बैठे रहना और गलत मुद्रा में खड़े व बैठना है। जीवनशैली में व्यस्तता और लगातार काम करने की डिमांड के चलते प्रोफेशनल्स को इस तरह की समस्या का समाधान मिलना मुश्किल हो गया है। अब 35 साल के रजत मित्तल का ही उदाहरण लें। सारा दिन ऑफिस में डेस्क जॉब करना और कई बार तो घर आकर भी ऑफिस के ही काम में लगे रहना या फिर निढाल होकर टीवी इत्यादि देखना। रजत की पिछले छह महीने से कमर में गंभीर दर्द है लेकिन बिजी होने की वजह से इस दर्द को लगातार अनदेखा किए जा रहे हैं। जब दर्द बिल्कुल बर्दाश्त से बाहर हो गया तो चेकअप कराया, जिससे उन्हें हर्निएटिड डिस्क समस्या की बात पता चली। विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि लापरवाही और समय पर इलाज न कराने से विकलांगता का खतरा हो सकता है जिससे रोजमर्रा के कामों में भी दिक्कत हो सकती है। दिल्ली के वसंत कुंज स्थित इंडियन स्पाइनल इंजरीज के कंसल्टेंट स्पाइन सर्जन डॉ. गुरुराज एम का कहना है, 'कुछ समय से युवाओं में जॉब के कारण लगातार लंबे समय तक अपने डेस्क पर बैठे काम करते रहने से पीठ दर्द जैसी समस्या सामने आ रही हैं। शारीरिक रूप से खड़े होने की तुलना में बैठने पर हमारी पीठ पर ज्यादा तनाव पड़ता है और लगातर बैठकर काम करने से आमतौर पर पीठ दर्द होने पर हर्निएटिड डिस्क या प्रोलेप्सड डिस्क, जिसे आमतौर पर स्लिप डिस्क कहते हैं, की समस्या हो जाती है। विभिन्न अध्ययनों में पाया गया है कि 80 प्रतिशत पीठ दर्द की व्यापकता जिंदगी भर पाई गई है। इसका मतलब है कि रीढ़ की हड्डी के बिना हमारा सेहतमंद रहना असंभव है। इसके बावजूद हम अपनी पीठ की उचित देखभाल नहीं करते।

गौरतलब है कि इंसान की रीढ़ 33 हड्डियों से मिलकर बनी है, जिसे वर्टिब्रा कहते हैं। ये स्पंजी इंटरवर्टिबल्र डिस्क और लिगामिंट के साथ है। यही इंटरवर्टिबल्र डिस्क रीढ़ को गतिशीलता और सहारा प्रदान करती है। जन्म के समय 80 प्रतिशत तक इंटरवर्टिबल्र पानी से भरा होता है और ये सख्त कोलेजन फाइबर से घिरा होता है लेकिन जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है खानपान में पोषक न होना, खाना-पीना सही न होना और सही मुद्रा न होने के कारण पानी कम होने लगता है। इसके साथ-साथ प्रोटीन कम होने लगता है जिसके कारण रीढ़ की हड्डी सख्त होने लगती है और हड्डियों में टूट-फूट होने लगती है। हर्निऐटिड डिस्क में एक या इससे अधिक इंटरवर्टिबल्र डिस्क टूटने लगती है जिसके कारण जेली जैसा पदार्थ बाहर आने लगता है। इस लीकेज के कारण आसपास की नसों में दर्द होना या कई बार नसों में अकड़न आ जाती है। इस कारण शरीर के उस भाग में अकड़न आ जाती है और तेज दर्द होता है। अगर समय रहते हर्निऐटिड डिस्क का पता चल जाए तो इसे दवाइयों और फिजियोथेरेपी की मदद से मैनेज किया जा सकता है। हांलाकि गंभीर स्थितियों में कम से कम साइड इफेक्ट्स के साथ सर्जरी की जरूरत पड़ती है।

इस बारे में डॉ. गुरुराज कहते है, 'पहले सर्जरी के विकल्पों में स्पाइन फ्यूजन उपलब्ध था, हालांकि ये समस्या का इलाज करने में काफी हद तक सक्षम था लेकिन इससे रीढ़ की हड्डी में स्पेस और गतिशीलता कम हो जाती है जिस वजह से इससे जुड़े वर्टिब्रा पर तनाव पड़ता है। लेकिन आधुनिक डिस्क रिप्लेसमेंट थे रेपी ने पीठ दर्द से जुड़ी समस्याओं से निजात पाने का बेहतरीन विकल्प दिया है। डिस्क रिप्लेसमेंट थेरेपी में पुरानी और विकृत डिस्क को प्रोस्थेटिक डिस्क के साथ बदल दिया जाता है और इससे वर्टिब्रा में भी लचीलापन रहता है। यह एक मोबाइल धातु डिस्क होता है जिसे वर्टिब्रा के बीच में रखा जाता है जिससे यह प्राकृतिक रूप से ही काम करने लगती है। जो लोग अपने काम और घर की जिम्मेदारियों को ज्यादा समय के लिए नजरअंदाज नहीं कर सकते, उनके लिए ये थेरेपी बेहद कारगर है।' पीठ दर्द की गंभीर स्थितियों में इस तरह की तकनीकों ने इलाज को बेहद आसान कर दिया है लेकिन इसके अलावा सभी को अपनी जीवनशैली में थोड़े बहुत बदलाव करना चाहिए जिससे शारीरिक रूप से मजबूती आये और पीठ दर्द जैसी समस्याओं से दूरी बनाई जा सके।

विभिन्न अध्ययनों में पाया गया है कि 80 प्रतिशत पीठ दर्द की व्यापकता जिंदगीभर पाई गई है। इसका मतलब है कि मजबूत रीढ़ की हड्डी के बिना हमारा सेहतमंद रहना असंभव है, इसके बावजूद हम अपनी पीठ की उचित देखभाल नहीं करते

यूपी योद्धा ने लगायी जीत की हैट्रिक

बंगाल वारियर्स को 40-36 से हराया

बेंगलुरू। यूपी योद्धा ने अपने डिफेंस के शानदार प्रदर्शन की बदौलत शेराटन ग्रैंड, व्हाइटफील्ड होटल एवं कन्वेंशन सेंटर में जारी वीवो प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के आठवें सीजन के 69वें मैच में शुक्रवार को बंगाल वॉरियर्स को 40-36 से हरा दिया। बंगाल की टीम रेडिंग में 30 प्वाइंट्स लेने के बावजूद पांचवीं हार को मजबूर हुई। पांचवीं जीत ने यूपी को 12 टीमों की अंक तालिका में टॉप-4 मे पहुंचा दिया है जबकि बंगाल चार से खिसककर पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं। इस मैच में बंगाल के स्टार रेडर मनिंदर सिंह ने 19 अंक लिए लेकिन उनकी टीम का डिफेंस सिर्फ चार अंक ले सका। दूसरी ओर यूपी के डिफेंस ने 12 अंक लेकर अंतर पैदा किया। बहरहाल, सुकेश हेगड़े के दो अंकों ने बंगाल को 3-1 की लीड दिलाई थी और फिर डू ओर डाई रेड पर रण सिंह ने परदीप नरवाल को

लपक कर स्कोर 4-1 कर दिया। इसके बाद यूपी को लगातार दो अंक मिले। यूपी के डिफेंस ने मनिंदर को दूसरी बार लपक स्कोर 4-4 कर दिया। रण सिंह ने डू ओर डाई रेड पर श्रीकांत जाधव को आउट किया। अगली रेड पर यूपी ने सुकेश को आउट कर परदीप को रिवाइव करा लिया। मनिंदर और रविंदर ने दो बार बंगाल का ऑलआउट बचाया। 13 मिनट के खेल के बाद बंगाल को 11-10 की लीड मिली हुई थी। सुपर टैकल की स्थिति में सुरेंदर गिल रेड पर गए और इस दौरान डिफेंडर सेल्फ आउट हुआ। सुकेश ने अगली रेड पर बोनस लिया। अगली रेड पर रण सिंह ने परदीप को लपकने की कोशिश की लेकिन नाकाम रहे।

सुकेश ने हालांकि आशू को आउट कर तीसरी बार ऑल आउट बचाया। सुकेश हालांकि अगली रेड पर आउट हुए। वग बोनस लेने में सफल रहे। इस तरह यूपी ने बंगाल को ऑल आउट कर 16-15 की लीड ले ली। यूपी ने फिर लगातार दो अंक लिए। हाफ टाइम तक स्कोर19-18 से यूपी के पक्ष में था। ब्रेक के बाद मनिंदर डू ओर डाई रेड पर आए और शुभम को बाहर किया। फिर परदीप को डू ओर डाई रेड पर लपक बंगाल के डिफेंस ने टीम को लीड दिला दी। गिल ने फिर रण सिंह को बाहर कर स्कोर बराबर कर दिया। चार के डिफेंस में मनिंदर लपके गए और फिर बंगाल के डिफेंस ने सुरेंदर को जाने नहीं दिया। मनिंदर बाहर थे और नबी बंगाल के लिए डू ओर डाई रेड पर गए। नितेश ने उन्हें नहीं जाने दिया। श्रीकांत ने यूपी के लिए डू ओर डाई रेड किया और दो अंक लेकर लौटे। परदीप और गिल रिवाइव हो चुके थे। यूपी 24-21 से आगे हो गए थे। बंगाल के लिए सुपर टैकल आन था। रविंदर ने अगली रेड पर एक अंक लिया और मनिंदर को रिवाइव कराया।

मनिंदर हालांकि अगली ही रेड पर सुमित द्वारा चौथी बार एंकल होल्ड कर लिए गए। तीन के डिफेंस में गिल ने रविंदर कुमावत को आउट किया। फिर परदीप ने दो अंक लेकर बंगाल को ऑल आउट किया और इस तरह यूपी को 30-24 की लीड मिल गई। आलइन के बाद गिल ने दो अंक लिए और फिर मनिंदर ने अपना 10वां सुपर-10 पूरा किया। दोनों टीमें बोनस पर खेल रही थीं। गिल की अगली रेड पर रण सिंह सेल्फ आउट हुए। गिल टैकल हुए थे लेकिन बच गए। अगली रेड पर मनिंदर ने टच प्वाइंट लिया। फिर परदीप ने दो टच प्वाइंट लेकर यूपी को 36-28 से आगे कर दिया। मनिंदर ने दो रेड पर दो अंक लेकर स्कोर 30-36 कर दिया। फिर गिल ने बोनस लिया। मनिंदर फिर गए और बंगाल का 14वां बोनस लेकर लौटे। अगली रेड पर हालांकि मनिंदर दो टच प्वाइंट लिया। स्कोर 33-37 था। गिल ने बोनस लेकर लीड 5 की कर दी। मनिंदर ने फिर टच प्वाइंट लिया। अगली रेड पर वह हालांकि सुपर टैकल की स्थिति में टैकल कर दिए गए। अब यहां से बंगाल वापसी नहीं कर सके और इस सीजन की छठी हार को मजबूर हुए।

मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया में ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस चैंपियनशिप में अपने तीसरे दौर के मैच में फ्रांस के बेनोइट पायर को हराने के बाद जश्न मनाते ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास।

वीर अहलावत संयुक्त पांचवें, कपूर और मडप्पा संयुक्त 16वें स्थान पर

सेंटोसा। भारतीय गोल्फर वीर अहलावत ने यहां एसएमबीसी सिंगापुर ओपन के पहले दो दौर में 68-70 के कार्ड खेल शुक्रवार को संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर है। अन्य भारतीयों में शिव कपूर (71-69) और विराज मडप्पा (71-69) संयुक्त 16वें जबकि एस चिक्कारंगप्पा (73-71) संयुक्त 47वें और राशिद खान (72-73) संयुक्त 63वें स्थान पर है। खराब मौसम के कारण दूसरे दौर का खेल पूरा नहीं हुआ है और इसका कट तीन ओवर रहने की संभावना है। ज्योति रंधावा, करणदीप कोचर, खलिन जोशी, अमन राज, एसएसपी चौरसिया और जीव मिल्खा सिंह के लिए कट में जगह बनाना मुश्किल होगा।

शुभंकर शर्मा 15 होल के बाद संयुक्त 14वें स्थान पर

अबुधाबी । भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा ने शुक्रवार को तेज हवाओं से पार पाते हुए अबुधाबी एचएसबीसी चैम्पियनशिप में खेल रोके जाने तक 15 होल में एक अंडर का कार्ड खेल लिया था। पहले दिन दो अंडर 70 का कार्ड खेलने वाले शर्मा का 33 होल में स्कोर तीन अंडर है और वह फिलहाल संयुक्त रूप से 14वें स्थान पर चल रहे हैं। वह 14 होल तक चार अंडर से शीर्ष 10 में चल रहे थे जिसमें उन्होंने चार बर्डी और दो बोगी लगायी थी। वह अपने बचे हुए तीन होल शनिवार को खेलेंगे।

स्पोर्ट्स 07-08

रीयाल बेटिस ने बड़ी जीत से ला लिगा में तीसरे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत की

मैड्रिड। रीयाल बेटिस ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए एस्पेनयोल को 4-1 से हराकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में तीसरे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत कर दी। इस जीत से बेटिस चौथे स्थान पर काबिज एटलेटिको मैड्रिड से सात अंक आगे हो गया है। एटलेटिको ने हालांकि उससे दो मैच कम खेले हैं। यही नहीं बेटिस और दूसरे स्थान की टीम सेविला के बीच अब केवल पांच अंक का अंतर रह गया है। वह शीर्ष पर काबिज रीयाल मैड्रिड से नौ अंक पीछे है। बेटिस ने पिछले पांच मैचों में 14 गोल किये हैं जबकि उसके खिलाफ केवल तीन गोल हुए हैं। एस्पेनयोल ने रॉल डि थामस के गोल से शुरू में बढ़त हासिल की, लेकिन बेटिस ने बोर्जा इग्लेसियास के दो गोल तथा गुइडो रोड्रिग्ज और विलियम जोस के गोल से अपनी बड़ी जीत सुनिश्चित की।

दिल्ली को हराकर शीर्ष-5 में पहुंचे हरियाणा स्टीलर्स

बेंगलुरु। हरियाणा स्टीलर्स ने अपने कप्तान विकाश कंडोला (13 अंक) के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर शुक्रवार को शेराटन ग्रैंड, व्हाइटफील्ड होटल एवं कन्वेंशन सेंटर में वीवो प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के आठवें सीजन के 68वें मैच में दबंग दिल्ली केसी को 36-33 के अंतर से हराकर अंक तालिका में शीर्ष-5 में पहुंच गई है। सीजन की पांचवीं जीत के साथ हरियाणा नौवें से पांचवें स्थान पर पहुंचे हैं जबकि तीसरी हार के बावजूद दिल्ली की टीम पहले पायदान पर बनी हुई है। नवीन एक्सप्रेस के बगैर खेल रही दिल्ली के लिए संदीप नरवाल ने एक बार फिर चमकदार खेल दिखाया लेकिन कोई और खिलाड़ी प्रभावित नहीं कर सका। शुरुआती आठ मिनट में स्कोर 4-4 था। सारे अंक रेडर्स ने लिए हैं। डिफेंस का खाता नहीं खुला था। कप्तान विकाश ने जीवा को आउट कर हरियाणा को 5-4 से आगे किया और फिर डिफेंस ने पहली सफलता हासिल करते हुए स्कोर 6-4 कर दिया। विकाश ने अगली रेड पर मोहम्मद मलक को आउट कर लीड 3 की कर दी। दिल्ली अब ऑलआउट

की दहलीज पर थे। संदीप गए और बोनस के साथ एक अंक लेकर कुछ पल के लिए ऑल आउट टाला। संदीप की अगली रेड खाली गई। दो के डिफेंस में विकाश रेड पर थे और संदीप को आउट करके लौटे। स्कोर 9-6 था और फिर हरियाणा ने 14वें मिनट में विजय को लपक दिल्ली को ऑल आउट कर 12-7 की लीड ले ली। आलइन के बाद हरियाणा के डिफेंस ने अपनी तीसरी कामयाबी हासिल करते हुए लीड 7 की कर ली।आशीष ने हालांकि जीवा को आउट कर दिल्ली को एक अंक दिलाया। अगली रेड पर सुरेंदर नाडा ने संदीप को डैश करना चाहा लेकिन वह कामयाब नहीं हो सके। विकाश ने फिर बोनस लिया और स्टीलर्स ने विजय को आउट कर स्कोर 17-9 कर दिया। आशू ने बोनस लिया और फिर विकाश डू ओर डाई रेड पर गए। दिल्ली के डिफेंस ने गलती की।विकाश मंजीत छिल्लर को आउट करके लौटे। पहला हाफ 19-11 से हरियाणा के नाम रहा। हरियाणा के डिफेंस ने अब तक चार अंक लिए जबकि दिल्ली के डिफेंस का खाता भी नहीं खुला। रेड में हरियाणा ने 10 के मुकाबले 13 अंक लिए। चार के डिफेंस में विकाश ने संदीप को आउट किया। अब दिल्ली के लिए सुपर टैकल आन था। आशू मलिक ने इस बीच जयदीप को आउट किया और फिर विजय ने बोनस लेकर स्कोर 13-20 करदिया। अगली रेड पर कृष्णन ने कंडोला को लपक डिफेंस को पहली सफलता दिलाई। फासला 6 का रह गया था। फिर चार के डिफेंस में विकाश ने मंजीत का शिकार कर स्कोर 23-15 कर दिया। इसके बाद इस मैच का सबसे नाटकीय मोड़ आया। विजय रेड पर थे और बिना स्ट्रगल के लाबी में गए। उनके पीछे पांच डिफेंडर भी लाबी में गए। रेफरी ने विजय के आउट होने पर हरियाणा को एक अंक दिया जबकि पांच डिफेंडर्स के आउट होने पर दिल्ली को पांच अंक मिले। स्कोर 20-24 था और हरियाणा ऑल आउट की कगार पर थे। विकाश ने लगातार दो बोनस लेकर स्कोर 26-20 कर दिया। साथ ही उन्होंने सुपर-10 भी पूरा किया। संदीप ने अगली रेड पर रवि को बाहर किया। विकाश ने बोनस के साथ एक अंक लिया और चूंकि वह डैश कर दिए गए लिहाजा दिल्ली को भी एक अंक मिला।

वेस्टइंडीज सीरीज का शेड्यूल बदला-सिर्फ 2 शहरों में खेले जाएंगे सीरीज के सभी मुकाबले, 6 फरवरी को होगा पहला वनडे मैच

मुंबई। भारत में एक बार फिर से कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। कोरोना की तीसरी लहर का असर भारतीय क्रिकेट पर भी देखने को मिल रहा है। अगले महीने फरवरी में वेस्टइंडीज को 3 वनडे और इतने ही टी-20 मैचों की सीरीज के लिए भारत के दौरे पर आना है। तय शेड्यूल के मुताबिक, सीरीज के सभी मुकाबले 6 अलग-अलग मैदानों पर खेले जाने वाले थे, जिसमें अब बदलाव कर दिया गया है।

BCCI ने तय किया है कि यह मुकाबले 6 नहीं, बल्कि 2 शहरों में होंगे। बोर्ड ने कहा कि वनडे सीरीज के तीनों मुकाबले अहमदाबाद और टी-20 सीरीज के 3 मैच कोलकाता में खेले जाएंगे।

तीसरी लहर को लेकर सचेत हुआ बोर्ड

बोर्ड का कहना है कि टीमों, मैच ऑफिशियल्स, ब्रॉडकास्टर्स के ट्रैवल को सीमित रखने के लिए यह फैसला किया गया है ताकि संक्रमण फैलने का खतरा कम रहे। वेस्टइंडीज की टीम 6 फरवरी से 20 फरवरी तक वनडे और टी-20 सीरीज खेलेगी। पहले ये मुकाबले कोलकाता और अहमदाबाद के अलावा 4 अन्य शहरों विशाखापट्टनम, तिरुअनंतपुरम, जयपुर और कटक में भी होने थे।

6 से 20 फरवरी के बीच खेले जाएंगे सभी मैच

भारत और वेस्टइंडीज के बीच पहला वनडे 6 फरवरी, दूसरा 9 फरवरी और तीसरा 11 फरवरी को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके बाद दोनों टीमों के बीच पहला टी-20 16 फरवरी, दूसरा 18 फरवरी और तीसरा 20 फरवरी को होगा और तीनों मैच कोलकाता के ईडन गार्डन्स के मैदान पर खेले जाएंगे।

जल्द होगा टीम का ऐलान

फिलहाल टीम इंडिया साउथ अफ्रीका के दौरे पर है। अफ्रीका का दौरा 23 जनवरी को समाप्त होगा, जिसके बाद भारतीय टीम वापस अपने देश लौटेंगी। उसके बाद ही वेस्टइंडीज सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान किया जाएगा। फैंस के लिए अच्छी बात ये हैं कि इस सीरीज के लिए लिमिटेड ओवर के कप्तान रोहित शर्मा पूरी तरह से फिट हो गए हैं।

सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट

पीवी सिंधू फाइनल में, मालविका से होगी खिताबी जंग

जागरण संवाददाता, लखनऊ। दो बार की ओलिंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू शनिवार को पांचवीं वरीयता प्राप्त रूसी प्रतिद्वंद्वी इवजेनिया कोसेतस्काया के सेमीफाइनल में रिटायर्ड हर्ट होने से सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला सिंगल्स वर्ग के फाइनल में पहुंच गईं।

पीवी सिंधू ने 13 मिनट चले पहले गेम में 21-11 से जीत दर्ज की। लेकिन दूसरे गेम में एवगेनिया ने फिटनेस संबंधी दिक्कत के चलते मैच छोड़ दिया, जिसके कारण पीवी सिंधू ने फाइनल में जगह

बनाई। पीवी सिंधू की अब फाइनल में हमवतन मालविका बंसोड से टक्कर होगी जिन्होंने एक अन्य सेमीफाइनल में भारत की ही अनुपमा उपाध्याय को एक घंटा छह मिनट तक चले मैच में 19-21, 21-19, 21-7 से हराया।

पुरुष सिंगल्स के सेमीफाइनल में फ्रांस के अर्नाड मर्केल ने भारत के मिथुन मंजूनाथ को एक घंटा 24 मिनट तक चले मैच में 21-19, 17-21, 21-9 से हराया। मिक्स डबल्स के फाइनल में भारतीय जोड़ी आमने-सामने होगी। इस वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबलों में सातवीं वरीय ईशान भटनागर व तनीषा क्रेस्टो ने एमआर अर्जुन व त्रिशा जाली की जोड़ी को 60 मिनट चले मुकाबले में 18-21, 21-18, 21-11 से, जबकि टी.हेम नागेंद्र बाबू व श्रीवेदा गुरजादा ने अक्षन शेट्टी व सिमरन सिंघी की जोड़ी को 15-21, 22-20, 21-9 से हराया।

रोमानिया की सिमोना हालेप ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस चैंपियनशिप में अपने तीसरे दौर के मैच के दौरान मोंटेनेग्रो के डंका कोविनिक से फोरहैंड वापसी करती हैं।

रूस के डेनियल मेदवेदेव ऑस्ट्रेलियन ओपन 2022 में बॉटिक वैन डे ज़ैंड्सचुल्प में बैकहैंड रिटर्न खेलते हैं

विदित गुजराती ड्रा खेलकर टाटा स्टील मास्टर्स के शीर्ष पर बरकरार

विज्क आन जी (नीदरलैंड)। भारतीय ग्रैंडमास्टर विदित संतोष गुजराती और आर प्रगाननंदा ने यहां प्रतिष्ठित टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के छठे दौर में अपनी बाजियां ड्रा खेली। गुजराती ने पोलैंड के यान क्रिज्सटॉफ डूडा के साथ बाजी ड्रा खेली। उनके छह दौर के बाद चार अंक हो गये हैं। प्रगाननंदा ने अमेरिका के सैम शैंकलैंड के साथ अंक बांटे। उनके 2.5 अंक हैं। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैगनस कार्लसन ने अपनी दूसरी जीत दर्ज की। उन्होंने रिचर्ड रैपोर्ट को हराया तथा वह गुजराती और शखरियार मामेदयारोव के साथ संयुक्त बढ़त पर पहुंच गये हैं। गुजराती के खिलाफ काले मोहरों से खेलते हुए डूडा ने सेमी टैरेस डिफेन्स अपनाया। पोलैंड के ग्रैंडमास्टर ने इसके बाद रणनीतिक चालें चली और भारतीय खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया। दोनों खिलाड़ी आखिर में ड्रा पर सहमत हो गये। प्रगाननंदा ने शैंकलैंड के खिलाफ काले मोहरों से खेलते हुए बाजी ड्रा करवायी। इस बीच सर्जेई कार्जाकिन ने टूर्नामेंट में अपनी पहली बाजी जीती। उन्होंने जोर्डन वान फोरीस्ट को हराया जबकि फैबियानो

कारुआना को अनीश गिरी के हाथों हार झेलनी पड़ी। इसके प्रतियोगिता के साथ ही चल रहे चैलेंजर्स टूर्नामेंट में भारत के 18 वर्षीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन इरिगैसी ने हमवतन सूर्यशेखर गांगुली को 42 चाल में हराकर अपने अंकों की संख्या 5.5 पर पहुंचा दी है। उन्होंने इस तरह से अपने करीबी प्रतिद्वंद्वियों पर 1.5 अंक की बढ़त बना ली है।